अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए..
विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता हि है...

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, बुधवार 13 मई 2026 | वर्ष-35 अंक-263 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

नीट ब्लास्ट 2026: पेपर लीक ने उड़ाया 22 लाख छात्रों का भविष्य

देश की सबसे बड़ी मेडिकल परीक्षा रद्द, अब फिर होगी जंग एग्जाम की

कोटा/नई दिल्ली। करोड़ों सपनों और हजारों करोड़ की कोचिंग इंडस्ट्री से जुड़ी देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 आखिरकार पेपर लीक के साये में रद्द कर दी गई। 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा को लेकर उठे सवाल इतने गंभीर साबित हुए कि केंद्र सरकार और National Testing Agency को पूरी परीक्षा ही निरस्त करनी पड़ी। अब देशभर के 22.79 लाख से अधिक परीक्षार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। इस फैसले ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा सुरक्षा और एजेंसियों की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार राजस्थान के कुछ परीक्षा केंद्रों से पेपर लीक और डमी प्रश्नपत्र बेचने की सूचनाएं मिलने के बाद केंद्रीय एजेंसियां सक्रिय हुईं। शुरुआती जांच में ऐसे संकेत मिले कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही कुछ लोगों तक प्रश्नपत्र पहुंच चुका था। मामला सामने आते ही केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया और पूरे घटनाक्रम की जांच Central Bureau of Investigation को सौंप दी।

नीट परीक्षा रद्द होने की खबर सामने आते ही देशभर में छात्रों और अभिभावकों के बीच भारी नाराजगी

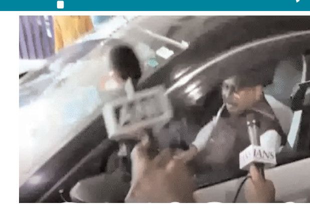

फैल गई। कई छात्र ऐसे हैं जिन्होंने दो-दो साल की तैयारी, लाखों रुपये की कोचिंग फीस और मानसिक दबाव झेलकर परीक्षा दी थी। अब उन्हें फिर उसी तनाव और तैयारी के दौर से गुजरना पड़ेगा। कोटा, दिल्ली, पटना, भोपाल, जयपुर और हैदराबाद जैसे कोचिंग हब में छात्रों के बीच गुस्सा और निराशा साफ दिखाई दे रही है।

एनटीए ने कहा है कि छात्रों को दोबारा आवेदन नहीं करना होगा। सभी अभ्यर्थियों को नए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे और दोबारा परीक्षा के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। पहले से जमा फीस भी वापस की जाएगी। हालांकि परीक्षा की नई तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

इस वर्ष नीट-यूजी में कुल 22,79,746 छात्र शामिल हुए थे। इनमें 13.32 लाख से अधिक छात्राएं थीं, जो कुल अभ्यर्थियों का लगभग 58 प्रतिशत हैं। यह पहली बार है जब छात्राओं की संख्या छात्रों से इतनी अधिक रही। परीक्षा के जरिए देशभर के मेडिकल, डेंटल, आयुष, वेटरनरी और नर्सिंग कॉलेजों में करीब 2.65 लाख सीटों पर प्रवेश होना है।

देश में वर्तमान समय में 820 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जहां एमबीबीएस की करीब 1.29 लाख सीटें उपलब्ध हैं। इनमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगभग 63 हजार सीटें और निजी व डीम्ड मेडिकल कॉलेजों में करीब 65 हजार सीटें शामिल हैं। इसके अलावा बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीयूएमएस और अन्य पाठ्यक्रमों की हजारों सीटों पर भी इसी परीक्षा के आधार पर दाखिला मिलता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला केवल पेपर लीक तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली में सेंध का सबसे बड़ा संकेत है। लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर की बड़ी परीक्षाओं पर सवाल उठने से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। अब सबकी नजर सीबीआई जांच और सरकार के अगले कदम पर टिकी है।

ब्रीफ न्यूज

इनामी महिला माओवादी बेला गिरफ्तार, झारखंड में बेला पर 23 मामले दर्ज हैं

कोलकाता। झारखंड में सक्रिय 15 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला को कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और उत्तर काशीपुर थाना क्षेत्र की पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर उसे उसके गुप्त ठिकाने से गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि बेला पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चाकदह इलाके की निवासी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, श्रद्धा विश्वास लंबे समय से माओवादी संगठन के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही थी। उसके खिलाफ झारखंड के अलग-अलग थानों में लगभग 23 मामले दर्ज हैं। झारखंड पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और कई एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी थीं।

मोदी की विदेश यात्रा की शुरुआत यूएई से होगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से करेंगे जहां यूएई से भारत की ऊर्जा सुरक्षा के बारे में अहम समझौते होने की संभावना है जबकि नॉर्डिक देशों के साथ स्वच्छ ऊर्जा एवं हरित प्रौद्योगिकी के बारे में महत्वपूर्ण साझीदारी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री की आगामी पांच देशों की यात्रा के बारे में कहा, 卐प्रधानमंत्री पांच देशों के दौरे पर निकल रहे हैं। उनके कार्यक्रम का पहला पड़ाव यूएई होगा। जैसा कि आप जानते हैं, यूएई के साथ हमारे बहुआयामी संबंध हैं, जिनमें ऊर्जा सुरक्षा एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक है।

यमुना नदी में छह लोग डूबे, चार की मौत व दो को बचाया गया

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को यमुना नदी में नहाने के दौरान छह लोग डूब गए। रेस्क्यू के दौरान दो लोगों को बचालिया गया लेकिन चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है।

बताया गया कि सोमवार की शाम आगरा के विद्यापुरम फाउंड्री नगर निवासी सौरभ पुत्र भूरी सिंह नाई की पुत्री नित्या (एक वर्ष) के जन्मदिन का कार्यक्रम था। इस बर्थडे पार्टी में कुछ रिश्तेदार बाहर से आए थे। मंगलवार को सभी यमुना नदी नहाने गये।

डॉ. मोहन भागवत असम प्रवास पर 13 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 13 मई को असम पहुंचेंगे। बुधवार शाम को गुवाहाटी के बोरझार स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से डॉ. मोहन भागवत सीधे होजाई के लिए रवाना होंगे। इसकी जानकारी आज आरएसएस के उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने दी है।

होज़ाई के संस्कार मंदिर परियोजना परिसर में 11 मई से 1 जून तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक (दूसरे वर्ष) प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ है। 14, 15 और 16 मई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक के प्रशिक्षण शिविर में डॉ. मोहन भागवत तीन दिन उपस्थित रहेंगे और 17 मई की सुबह गुवाहाटी लौट आएंगे।

उप्र में 18 फर्जी पासपोर्ट के साथ नेपाली नगारिक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर जिले के भारत-नेपाल सीमा पर स्थित ककरहवा चेक पोस्ट पर स्थानीय पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) एवं सीमा शुल्क की संयुक्त टीम ने मंगलवार को एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया। उसके पास अठारह फर्जी पासपोर्ट बरामद हुए हैं।

ककरहवा चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि स्थानीय पुलिस, सशस्त्र सीमा बल और सीमा शुल्क इकाई ककरहवा की संयुक्त टीम ने ककरहवा चेक पोस्ट से एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है।

असम में फिर गरजा 'हिमंत मॉडल'!

प्रचंड जनादेश के बाद दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हिमंत बिस्व सरमा, मोदी-शाह की मौजूदगी में शक्ति प्रदर्शन से गूंजा गुवाहाटी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हालांकि, असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। वर्ष 2016 में पहली बार भाजपा ने असम में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने में सफल हुई थी।

गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन

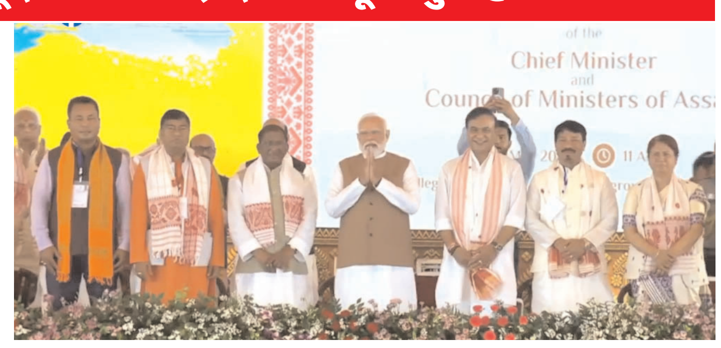

गडकरी, जेपी नड्डा समेत राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली। उनके साथ भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली और अजंता नेओग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोडो ने मंत्री पद की शपथ ली।

उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 में राजग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत हासिल की। इसमें भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों अगप को 10 तथा बीपीएफ को 10 सीटों पर जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

'थलापति' का सत्ता शो!

शराबबंदी, फ्री बिजली और गोल्ड गिफ्ट्स से सीएम विजय ने मचाई सनसनी, 48 घंटे में लिए सुपरस्टार वाले फैसले

फिल्मी एंट्री के बाद अब रियल लाइफ में 'मसीहा' बनने की कोशिश, लेकिन बढ़ सकता है हजारों करोड़ का बोझ

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में सुपरस्टार से मुख्यमंत्री बने सी. विजय सत्ता संभालते ही ऐसे फैसले ले रहे हैं, जिनकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। फिल्मों में 'जनता के मसीहा' की छवि रखने वाले विजय अब असल राजनीति में भी उसी अंदाज में नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री पद संभालने के महज 48 घंटे के भीतर उन्होंने शराब की 700 से ज्यादा दुकानों को बंद करने, हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने और महिलाओं के लिए सोने की चेन, अंगूठी व नकद सहायता जैसी योजनाओं का ऐलान कर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

विजय के फैसलों को उनके समर्थक जनता के लिए ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं, जबकि विपक्ष और आर्थिक विशेषज्ञ इसे राज्य की वित्तीय स्थिति पर भारी बोझ मान रहे हैं। तमिलनाडु पहले से ही बड़े कर्ज और बढ़ते राजकोषीय दबाव से जूझ रहा है। ऐसे में मुफ्त योजनाओं और शराब दुकानों की बंदी से सरकार की आय पर बड़ा असर पड़ सकता है।

सूत्रों के मुताबिक तमिलनाडु सरकार को शराब बिक्री से हर साल हजारों करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का सिद्धारमैया सरकार पर तीखा प्रहार

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं को सुधारने के बजाय विपक्ष की निंदा में समय बर्बाद कर रही है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस सरकार केवल महंगाई, तुष्टिकरण और आंतरिक राजनीतिक खींचतान में उलझी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों की आलोचना कर रहे हैं, जबकि उन्हें पहले अपने शासन की कमियों और प्रशासनिक विफलताओं का जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने गैरंटी योजनाओं के नाम पर राज्य को भारी कर्ज में डुबो दिया है।

मध्य प्रदेश बना 'गेहूं प्रदेश', 365 लाख मीट्रिक टन उत्पादन के साथ देश में 18 फीसद हिस्सेदारी

शरबती और ड्यूरम गेहूं की वैश्विक मांग, 40 से अधिक देशों में हो रहा निर्यात

भोपाल। प्रदेश की किसान हितैषी नीतियों के चलते मध्य प्रदेश का गेहूं उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है और राज्य 18 फीसद हिस्सेदारी के साथ देश में 卐गेहूं प्रदेश卐 के रूप में उभरा है। शरबती और ड्यूरम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों की अंतरराष्ट्रीय मांग बढ़ने के साथ ही प्रदेश का गेहूं 40 से अधिक देशों में निर्यात हो रहा है।

जनसंपर्क अधिकारी क्रांतिदीप अलूने ने मंगलवार को जानकारी दी कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के परिणाम स्वरूप इस साल गेंहू उत्पादन में उछाल आया है। उत्पादकता ब?कर 3780 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मध्य प्रदेश के गेंहूं की मांग लगातार बनी हुई है। प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और डयूरम गेंहू की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि भारत से विदेशों को निर्यात किये जाने वाले गेहूं में मध्य प्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूं को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है। मध्य प्रदेश का गेहूं ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा गेंहू उत्पादक किसानों के हित में नई योजनाएं बनाने और समय पर मदद करने की रणनीति के फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने परंपरागत गेहूं उत्पादक राज्यों की बराबरी कर ली है।

असम राइफल्स के साथ मुठभेड़ में एनएससीएन के दो उग्रवादी ढेर

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के मियाओ सर्कल में सोमवार की देर रात से असम राइफल्स द्वारा चलाए गए आतंकवाद विरोधी अभियान में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन) के अंगामई गुट से संबंधित दो सदस्य मारे गए।

आज अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह मुठभेड़ मियाओ पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के सोंगकिंग गांव के पास घने जंगल वाले इलाके में रात भर चले अभियान के दौरान हुई। तलाशी के दौरान घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए।

एनएससीएन के अंगामई गुट के सूचना और प्रचार विभाग की ओर से आज जारी एक बयान में दावा किया गया है कि मारे गए कैडरों की पहचान तांगशांग क्षेत्र के नयांग गांव निवासी स्वयंभू लेफ्टिनेंट कर्नल उमकोंग और लीनोंग क्षेत्र के चिथोक गांव के स्वंभू सार्जेंट एनू के रूप में की गयी है।

यह अभियान एनएससीएन उग्रवादियों की इलाके में मौजूदगी की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था।

मप्र के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता केजीपी-12 के 4 शावकों की मौत, एक माह पहले ही हुआ था जन्म

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले जन्मे मादा चीता केजीपी-12 के चारों शावकों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह जब मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन पहुंची, तब उन्हें डेन साइट के पास चारों शावकों के शव मिले। वन विभाग ने प्रेस नोट जारी कर इसकी पुष्टि की है।

विभाग ने जानकारी दी कि एक महीने पहले 11 अप्रैल 2026 को चारों शावकों का जन्म हुआ था। मॉनिटरिंग टीम ने 11 मई की शाम को इन्हें अंतिम बार जीवित देखा था। ये महज एक महीने के थे। मंगलवार सुबह करीब 6¬30 बजे गश्ती टीम जब नियमित मॉनिटरिंग के लिए पहुंची, तो मांद के पास चारों शावकों के शव मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है, हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगी।

घटना के बाद गश्ती दल ने तुरंत वरिष्ठ वन अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची टीम ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया और सैंपल कलेक्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद पूरे कूनो क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और वन विभाग की टीम लगातार इलाके की जांच कर रही है। राहत की बात यह है कि मादा चीता केजीपी-12 पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताई जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह साफ हो सकेगी।

मुंबई में बड़े ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़, 13.65 करोड़ रुपये का माल जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक बड़े ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में कच्चा माल, रसायन और तैयार मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया है। पुलिस के अनुसार लगभग 4 लाख रुपये के रसायनों से करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य का एमडी तैयार किया जा सकता था। मीरा-भायंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) अपराध शाखा ने मालवणी के समान नगर, आज़मी नगर और गोराई क्षेत्रों में छापेमारी कर यह बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में कुल 13.65 करोड़ रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया, जिसमें 13.61 करोड़ रुपये मूल्य का 6.773 किलोग्राम तैयार एमडी शामिल है। इस मामले में अब तक दो महिलाओं समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के खिलाफ नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने फिरदौस अरबाज कुरेशी नामक महिला से 2.66 करोड़ रुपये की एमडी जब्त की थी। इसके बाद फिरदौस और उसके पति अरबाज वकील कुरेशी से पूछताछ की गई, जिसमें इस बड़े ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा हुआ। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 255 लीटर रासायनिक पदार्थ, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, एसीटोन, क्लोरोफॉर्म और प्रयोगशाला उपकरण जैसे हीटिंग मेंटल और फ्लास्क भी बरामद किए। इस कार्रवाई से मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सिंथेटिक ड्रग्स सप्लाई करने वाले गिरोह के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

अगले चार साल में केन्द्र सरकार देश के मेडिकल कॉलेजों में दस हजार और सीटें करेगी सृजित: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आने वाले चार साल में केन्द्र सरकार देश के मेडिकल कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की 10,000 और सीटें सृजित करेगी। भारत मंडपम में मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि एम्स नई दिल्ली वर्तमान में 900 से अधिक बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिनके लिए वित्त पोषण उपलब्ध कराया गया है। उन्हें देशभर में उभरते एम्स संस्थानों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है।

एम्स से स्नातक होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए जेपी नड्डा ने कहा, 卐यह दीक्षांत समारोह केवल एक समापन समारोह नहीं है बल्कि यह सात दशकों की निस्वार्थ सेवा को डिजिटल युग से संचालित भविष्य

से जोड़ने वाला एक सेतु है। एम्स नई दिल्ली हमेशा से एक शैक्षणिक केंद्र या अस्पताल से कहीं अधिक रहा हैङ्क यह अपने आप में एक ब्रांड है।

उन्होंने कहा कि एम्स में 300 करोड़ रुपये की धनराशि से 900 से अधिक बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है। इसके अतिरिक्त, 150 से अधिक आंतरिक अनुसंधान कार्य भी चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीनतम क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में, एम्स नई दिल्ली ने दो साल पहले 145वें स्थान से छलांग लगाकर चिकित्सा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर 105वां स्थान हासिल किया है जिससे भारत के प्रमुख चिकित्सा संस्थान के रूप में इसका स्थान मजबूत हुआ है और यह वैश्विक शीर्ष 100 में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 卐ये हालिया उपलब्धियां मात्र तकनीकी मील के पत्थर नहीं हैं ङ्क ये राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य की पूर्ति हैं।

पिछले 11 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा, केवल एम्स में बुनियादी ढांचे के सुधार और नए निर्माण पर ही 2,800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एनसीडब्ल्यू ने की दिल्ली पुलिस के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को दिल्ली पुलिस के साथ पुलिस मुख्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की।

बैठक में महिलाओं के खिलाफ अपराध, साइबर अपराध, स्टॉकिंग, मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसे मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस बैठक में आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस और प्रोटेक्शन ऑफिसर्स के बीच बेहतर समन्वय बेहद जरूरी है, ताकि पीड़ित महिलाओं को समय पर सहायता और न्याय

मिल सके। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा कि राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑल-वुमन पुलिस स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

बैठक में पुलिस ने जानकारी दी कि पीसीआर टीम औसतन 5 से 7 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच रही है, जो देश में सबसे तेज रिस्पॉन्स सिस्टम में से एक माना जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

सरकार द्वारा घायलों का निःशुल्क उपचार कराया जा रहा हैं- राज्य मंत्री श्री टेटवाल

शाजापुर। प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने आज प्रात: जिला चिकित्सालय शाजापुर पहुंचकर गत दिवस की रात्रि राजगढ़ जिले के पचोर पेट्रोल पंप अग्निकांड में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य उपचार की जानकारी ली।

राज्य मंत्री श्री टेटवाल ने घायलों के परिजनों एवं घायलों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा घायलों का बेहतर से बेहतर निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। साथ ही घटना की जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

इस अवसर पर शाजापुर विधायक श्री अरुण भीमावद, श्री आशीष नागर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में 97 आवेदन प्राप्त

शाजापुर। मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आज संपन्न हुई जनसुनवाई में 97 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर श्री आलेक वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

साईबर सुरक्षा सेमिनार का आयोजन सम्पन्न

शाजापुर। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार जिला मुख्यालय एवं विकासखण्ड स्तर पर 01 मई 2026 से 31 मई 2026 तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन के दौरान संचालनालय से प्राप्त निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर सामाजिक जागरूकता के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर विभिनन खेलो में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलायियों के लिए साईबर सुरक्षा का सेशन एनजीओ एनआईआईटी फाउण्डेशन शाजापुर के संचालक श्री संजय दायमा एवं श्री महेन्द्र राठौर के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमे सायबर क्राईम एवं उनसे सुरक्षा के उपाय खिलायियों एवं अनके अभिभावको को बताए गए। इस अवसर पर जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री रविन्द्र हार्डिया, श्री जितेन्द्र शर्मा, श्री मुजाहिद बैग, श्री लोकेश नायक आदि उपस्थित थे।

ई-विकास प्रणाली का पालन न करने पर पेक्स समिति पर कार्यवाही

शाजापुर। जिला प्रशासन द्वारा उर्वरक वितरण में पारदर्शिता एवं शासन के निर्देशों के कड़ाई से पालन के लिए सतत् निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में 10 मई 2026 को पैक्स कांजा द्वारा क्क्रस्/ढ्ढस्नरूस् प्रणाली के माध्यम से 27.9 मेट्रिक टन यूरिया वितरण दर्ज किया गया, जबकि ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन के माध्यम से मात्र 26.145 मेट्रिक टन यूरिया का ही वितरण पाया गया। समिति द्वारा 1.755 मेट्रिक टन यूरिया का वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से दर्ज नहीं किया गया, जो शासन के निर्देशों एवं निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन हैं। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पैक्स समिति कांजा के समिति प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से चार्ज से हटा दिया गया हैं।

उपसंचालक कृषि श्री आरएल जामरे ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही/नियमों की अवहेलना अथवा पोर्टल पर जानकारी दर्ज किए बिना वितरण करने पर संबंधितों के विरुद्ध कठौर कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में समस्त प्रकार का कुल 35500 में.टन से अधिक उर्वरक सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, एमपी एग्रो, निजी विक्रेता केन्द्रों पर उपलब्ध है। किसानो से अपील है की फसलों की बोनी के लिए फसलों की आवश्यकता अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी, पोटाश खाद की पूर्ण मात्रा को उठा सकते हैं। यदि किसान चाहे तो पुन: पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी आवश्यकता अनुसार खाद बुक कर अपनी सुविधानुसार उठा सकते हैं।

जांच टीम पहुंचने से पहले कई डॉक्टर ताला लगाकर भागे

उज्जैन के 38 अस्पताल क्लिनिक में बिना रजिस्ट्रेशन के इलाज कर रहे थे

उज्जैन। उज्जैन में 11 वर्षीय छात्रा की ऑपरेशन के दौरान मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया। कलेक्टर के निर्देश पर गठित पांच अलग-अलग टीमों ने शहरभर के अस्पतालों और क्लिनिकों की जांच की। कार्रवाई के दौरान 38 अस्पताल और क्लिनिक बिना रजिस्ट्रेशन संचालित होते मिले। सभी को नोटिस जारी कर आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मामला उज्जैन की मंछामन कॉलोनी स्थित जनसेवा नोबल पॉली क्लीनिक का है। यहां महिदपुर तहसील के ग्राम तीलियां खेड़ी निवासी मेहरबान सिंह की 11 वर्षीय बेटी दिव्या सूर्यवंशी का इलाज चल रहा था।

दिव्या कक्षा सातवीं की छात्रा थी। रविवार को अपेंडिक्स के ऑपरेशन के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए हंगामा किया और कार्रवाई की मांग की थी।

डॉक्टरों की डिग्री की जांच की

मामले को गंभीरता से लेते हुए रौशन सिंह ने शहर के सभी अस्पतालों और क्लिनिकों की जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की पांच टीमों ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर अस्पतालों और क्लिनिकों की जांच शुरू की। जांच के दौरान रजिस्ट्रेशन, दस्तावेज और डॉक्टरों की डिग्री की जांच की गई। डॉ. अशोक पटेल ने बताया कि दो दिन की कार्रवाई में रविवार को 10 और सोमवार को 28 अस्पताल एवं क्लिनिक नियम विरुद्ध संचालित पाए गए। सभी को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और वैध पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में पंजीयन नहीं कराने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

सीएमएचओ डॉ अशोक पटेल ने बताया कि कई डॉक्टर जांच टीम के पहुंचने से पहले ही अपने क्लिनिक बंद कर मौके से चले गए। ऐसे संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीमें मंगलवार को भी दोबारा जांच अभियान चलाएंगी।

उज्जैन सेंट्रल जेल क्वार्टर में महिला से रेप

आरोपी जेल प्रहरी का बेटा, तीन वर्ष से कर रहा था दुष्कर्म; केस दर्ज

उज्जैन। उज्जैन की भैरवगढ़ सेंट्रल जेल परिसर स्थित सरकारी क्वार्टर में रहने वाली एक महिला ने जेल प्रहरी के बेटे पर दुष्कर्म, मारपीट और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। मामले में भैरवगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भैरवगढ़ सेंट्रल जेल में पदस्थएक प्रहरी अपने परिवार के साथ जेल क्वार्टर में रहता है। उसके सामने अन्य प्रहरी सत्यनारायण सक्सेना का परिवार रहता है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि प्रहरी का बेटा आयुष सक्सेना पिछले तीन वर्षों से उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कर रहा था।

विरोध करने पर बदनाम करने की धमकी देता

महिला का कहना है कि आरोपी उसे लगातार धमकाता था और विरोध करने पर बदनाम करने की बात कहता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की।

महिला का मेडिकल परीक्षण कराया

भैरवगढ़ थाना पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम महिला थाने पहुंची और आरोपी आयुष सक्सेना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है तथा आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और धमकी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उज्जैन में यादव समाज से परिवार को किया निष्कासित

सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने पर लगाई रोक, जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचा युवक

उज्जैन। उज्जैन जिले की बड़नगर तहसील के ग्राम बंगरेड में यादव (अहीर) समाज के एक युवक ने समाज के पंचों पर सामाजिक बहिष्कार, अपमान और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित नरेंद्र यादव ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में कलेक्टर को शिकायत सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदिउन्हें न्याय नहीं मिला तो वे परिवार सहित धर्म परिवर्तन करने को मजबूर होंगे।

नरेंद्र यादव के अनुसार विवाद की शुरुआत डॉक्टर विष्णु प्रसाद यादव के यहां आयोजित एक शादी समारोह से हुई। समारोह में समाज की ओर से लिए गए ?5100 की बजाय 11 हजार चंदे और धर्मशाला किराए को लेकर समाज के वॉट्सऐप ग्रुप में चर्चा चल रही थी। इसी दौरान नरेंद्र यादव ने ग्रुप में टिप्पणी करते हुए कहा था कि यदि किसी से गलती हुई है तो उसे स्वीकार कर राशि वापस कर देना चाहिए।

समाजजनों ने फोन पर गालियां दीं

आरोप है कि इस टिप्पणी के बाद समाज के एक पंच के भाई ईश्वरलाल यादव ने उन्हें वॉट्सऐप कॉल कर अपशब्द कहे और समाज छोड़ने तक की बात कही। नरेंद्र का कहना है कि उन्होंने इस व्यवहार की जानकारी समाज के ग्रुप में भी दी, लेकिन किसी सदस्य ने विरोध नहीं किया। इसके बाद अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी फोन पर गाली-गलौज और धमकियां देने का आरोप लगाया गया है।

सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने पर लगा दी रोक

पीड़ित युवक का कहना है कि बिना उनका पक्ष सुने और बिना निष्पक्ष बैठक किए समाज के वॉट्सऐप ग्रुप में उनके परिवार को समाज से निष्कासित करने का संदेश जारी कर दिया गया। साथ ही गांव में समाज के कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों में उनके परिवार के शामिल होने पर भी रोक लगा दी गई।

एसपी से भी की शिकायत पर नहीं हुई कार्रवाई

नरेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि समाज की धर्मशाला के किराए और चंदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं का विरोध करने के कारण कुछ प्रभावशाली पंच उनसे नाराज हो गए थे। उन्होंने बताया कि मामले की शिकायत पहले एसपी कार्यालय में भी की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बाद में समाज की बैठक हुई, लेकिन उसमें उन्हें बुलाया तक नहीं गया और केवल चंदे की राशि वापस कर मामले को खत्म मान लिया गया।

वैधानिक कार्रवाई का भरोसा दिलाया

लगातार सामाजिक बहिष्कार और मानसिक प्रताड़ना से परेशान नरेंद्र यादव ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान वापस नहीं मिला और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे अदालत का दरवाजा खटखटाने के साथ परिवार सहित मुस्लिम धर्म अपनाने पर भी विचार करेंगे। फिलहाल जिला प्रशासन ने शिकायत को जांच में लेते हुए उचित वैधानिक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

पांच माह के बच्चे को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरू भेजा

दिल की बीमारी से है पीड़ित, आयुष्मान योजना से होगा मुफ्त इलाज; सीएम ने दिए थे निर्देश

उज्जैन। उज्जैन जिले के महिदपुर क्षेत्र के पांच माह के यथार्थ सिंह राणावत को हृदय रोग के इलाज के लिए बेंगलुरु भेजा गया है। बच्चे को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना के तहत यह सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। यह उज्जैन जिले का संभवत: पहला मामला है, जब किसी बच्चे को इलाज के लिए बेंगलुरु भेजा गया है।

यथार्थ महिदपुर विकासखंड के ग्राम सनोरिया सुमराखेड़ा निवासी दीपक सिंह राणावत का पुत्र है। वह जन्म से ही हृदय संबंधी गंभीर बीमारी से पीड़ित है। उसे पहले उज्जैन के तेजनकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद बच्चे में जटिल हृदय रोग का पता चला और सर्जरी की आवश्यकता बताई गई।

नारायणा हेल्थ सिटी में होगी सर्जरी

आयुष्मान निरामय योजना के तहत यथार्थ के इलाज का खर्च वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देशों पर, जन्मजात हृदय रोग से ग्रस्त यथार्थ सिंह राणावत को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना के माध्यम से बेंगलुरु के नारायणा हेल्थ सिटी रेफर किया गया। यह रेफरल 12 मई 2026 को सुबह करीब 10 बजे किया गया।

बच्चे को पहले एम्बुलेंस से उज्जैन से इंदौर ले जाया गया। इसके बाद, पीएमश्री एयर एम्बुलेंस द्वारा उसे बेंगलुरु पहुंचाया गया। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बच्चे को समय पर एयर एम्बुलेंस के जरिए बेंगलुरु पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करवाई।

उज्जैन में मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता चुनाव की वोटिंग

2367 वकीलो ने किया मतदान, शहर से चार उम्मीदवार मैदान में

उज्जैन। उज्जैन कोर्ट में मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई थी। सुबह 10 बजे से मतदान शाम 5 बजे तक चला। इस दौरान करीब 2367 अधिवक्ताओ ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

प्रदेशभर में अधिवक्ता परिषद के सदस्यों के चयन के लिए चुनाव कराए गए। उज्जैन में भी सुबह से अधिवक्ताओं की भीड़ मतदान केंद्र पर पहुंचने लगी थी। कोर्ट परिसर के बाहर प्रत्याशियों द्वारा मतदान को लेकर अधिवक्ताओं को प्रेरित करने की भी व्यवस्था की गई थी। महिला अधिवक्ता भी बड़ी संख्या में मतदान के लिए पहुंचीं।

तीन हॉल में मतदान की व्यवस्था

कोर्ट परिसर में मतदान के लिए तीन हॉल बनाए गए थे। गर्मी को देखते हुए सुबह के समय मतदान केंद्र पर अधिक भीड़ देखी गई।

चार प्रत्याशी मैदान में

उज्जैन में इस चुनाव में चार प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें संदीप मेहता, आशीष उपाध्याय, अतुल रैना और सुरेंद्र चतुर्वेदी शामिल थे।

शांतिपूर्ण मतदान की व्यवस्था

बार एसोसिएशन अध्यक्ष ओम सारवान ने बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी विशेष सत्र न्यायाधीश एपीएस चौहान और अन्य न्यायिक अधिकारी ने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई।

25 सदस्यों के चयन के लिए मतदान

प्रदेशभर में अधिवक्ता 25 सदस्यों के चयन के लिए मतदान किया। मतदान के बाद मतगणना आगामी चरण में जबलपुर में की जाएगी।

फिल्म एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया महाकाल मंदिर पहुंचीं

त्रिपुण्ड लगाकर भस्म आरती में शामिल हुईं; कहा- अनुभव शब्दों में बयान नहीं कर सकती

उज्जैन। साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया।

तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचीं तमन्ना भाटिया नंदीहाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक उन्होंने भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा।

आरती के बाद अभिनेत्री ने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

भस्म आरती के बाद तमन्ना ने कहा, आज भगवान ने मुझे बुलाया था। बाबा महाकाल के बुलावे पर ही भक्त यहां आते हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। आज जो आरती देखने को मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। आरती में शामिल होकर बहुत ऊर्जा मिलती है। सब लोग एक साथ बैठकर जिस तरह आरती देखते हैं, ऐसा दृश्य कहीं और देखने को नहीं मिलता।

मंदिर परिसर में अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। भस्म आरती के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी विशेष रूप से बढ़ाई गई थी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में मेरा युवा भारत शाजापुर द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार एवं माय भारत संगठन मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार मेरा युवा भारत जिला शाजापुर के द्वारा आज 12 मई 2026 को स्थानीय शासकीय पोलेटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर प्राचार्य श्री विपुल परमार्थी के नेतृत्व मे राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे प्रभारी प्राचार्या श्रीमति गायत्री सिंह उपस्थित थी।

सर्वप्रथम मेरा युवा भारत शाजापुर के जिला युवा अधिकारी श्री सागर वाधवानी द्वारा उपस्थित युवाओ एवं अतिथियो का स्वागत करते हुए युवाओ को बताया कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई को देशभर में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1998 में भारत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में पोखरण मे सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रति उत्साह जगाना, डिप्लोमा छात्रों को प्रेरित करना तथा उनके कौशल विकास पर जोर देना, मेरा युवा भारत卐 अभियान के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना, व तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना। इस कार्यक्रम में युवाओ के लिए प्रेरणादायक सत्र तकनीकी प्रदर्शनी, विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।

चरक भवन अस्पताल में लिफ्ट बंद होने से मरीज परेशान

उज्जैन में रैंप के सहारे वार्ड में पहुंचाए जा रहे मरीज, अस्पताल प्रबंधन ने कहा- मरम्मत के कारण बंद हैं

उज्जैन। उज्जैन के चरक भवन स्थित अस्पताल में लिफ्ट बंद होने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को मरीजों को रैंप के सहारे ऊपर-नीचे ले जाया जा रहा है। अस्पताल की कुल 10 लिफ्टों में से अधिकांश बंद होने के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जबकि डॉक्टरों और स्टाफ के उपयोग के लिए दो लिफ्टें चालू रखी गई हैं।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार लिफ्टों के बंद होने का कारण रखरखाव और सिविल कार्य है। उधर मरीजों और उनके परिजनों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा, वहीं बुजुर्ग और गंभीर मरीजों को रैंप के जरिए ले जाने में काफी दिक्कतें आईं।

मरम्मत कार्य के कारण बंद

अस्पताल प्रबंधक हिमानी चौहान ने बताया कि स्टाफ के लिए अंदर की लिफ्टें चालू हैं, जबकि अन्य लिफ्टों पर मरम्मत और तकनीकी कार्य जारी है। वहीं आरएमओ डॉ. चिन्मय चिचौलीकर ने जानकारी दी कि कुल 10 लिफ्टों में से 7 को चालू स्थिति में लाया जा चुका था, लेकिन इनमें से एक लिफ्ट में फिर से तकनीकी खराबी आ गई।

उन्होंने बताया कि अस्पताल के सामने की तीन लिफ्टों में बेसमेंट स्तर पर सिविल कार्य और भराव का काम चल रहा है। इस कार्य को पूरा होने में करीब 15 दिन लगेंगे, जबकि इलेक्ट्रिकल कार्य में लगभग एक सप्ताह का अतिरिक्त समय लगेगा। ऐसे में सभी लिफ्टों को पूरी तरह चालू होने में 20 से 21 दिन लग सकते हैं।

अब चरणबद्ध तरीके से कराएंगे सर्विसिंग

आरएमओ डॉ. चिचौलीकर ने कहा कि लिफ्टों की सर्विसिंग और हैंडओवर की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने संबंधित एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि आगे से लिफ्टों की मरम्मत और सर्विसिंग चरणबद्ध तरीके से की जाए, ताकि एक साथ कई लिफ्टें बंद न हों और मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

अस्पतालों में इलाज नहीं, अब हर सांस पर लग रहा पैसा

भोपाल समेत मध्य प्रदेश में मरीजों की थाली तक हुई महंगी, गैस सिलेंडर से लेकर बिजली खर्च बढ़ने पर अस्पतालों ने बढ़ाए रेट, इलाज आम आदमी की पहुंच से दूर

(ज्ञान सिंह बघेल)

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ती महंगाई ने अब स्वास्थ्य व्यवस्था की जड़ों तक असर डालना शुरू कर दिया है। हालत यह है कि अस्पताल में भर्ती होना अब सिर्फ बीमारी से लड़ाई नहीं, बल्कि आर्थिक परीक्षा बनता जा रहा है। दवा, जांच, डॉक्टर फीस और बेड चार्ज के बाद अब मरीजों के खाने का खर्च भी तेजी से बढ़ गया है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के कई निजी अस्पतालों में मरीजों की डाइट थाली के दामों में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी गई है। अस्पताल प्रबंधन इसका सबसे बड़ा कारण कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों को बता रहे हैं।

अस्पतालों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स (ङ्कक्ता।) से मान्यता प्राप्त कई अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली सामान्य भोजन थाली पहले 120 रुपये में उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन अब इसकी कीमत बढ़ाकर 140 रुपये कर दी गई है। यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर उन मरीजों और परिवारों पर असर डाल रही है जो पहले से महंगे इलाज के बोझ तले दबे हुए हैं।

निजी अस्पताल संचालकों का कहना है कि अस्पताल की रसोई चौबीस घंटे चलती है और रोजाना बड़ी मात्रा में गैस की खपत होती है। पिछले कुछ महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई लगातार वृद्धि ने अस्पतालों का पूरा बजट बिगाड़ दिया है। इसके अलावा बिजली दरों में बढ़ोतरी, डीजल की महंगाई, बैकअप जनरेटर का खर्च और खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को महंगा बना दिया है।

भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल उनका अस्पताल पुराने अनुबंध के चलते मरीजों पर अतिरिक्त बोझ डालने से बच रहा है, लेकिन यदि लागत लगातार बढ़ती रही तो अस्पतालों के पास शुल्क बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा। उनका कहना है कि अस्पताल चलाना अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा महंगा हो गया है।

महंगाई की इस मार का सबसे ज्यादा असर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। लंबे समय तक इलाज कराने वाले मरीजों के लिए अस्पताल का हर दिन आर्थिक संकट बनता जा रहा है। कैंसर, किडनी, हार्ट और डायबिटीज जैसी पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बार-बार अस्पताल जाना पड़ता है। ऐसे में दवा, जांच, भर्ती और भोजन का बढ़ता खर्च परिवारों की आर्थिक स्थिति को हिला रहा है।

भोपाल के कई परिवारों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती होने के बाद वास्तविक खर्च अनुमान से कहीं ज्यादा निकलता है। मरीज के साथ रहने वाले परिजन का खाना, दवाइयों का अतिरिक्त खर्च और बार-बार होने वाली जांचें जेब पर भारी पड़ती हैं। कई परिवारों को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है, जबकि कुछ लोगों की वर्षों की बचत अस्पताल के बिल चुकाने में खत्म हो रही है।

स्थिति उन मरीजों के लिए और गंभीर है जो आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं के दायरे में नहीं आते। ऐसे मरीजों को इलाज का पूरा खर्च अपनी जेब से उठाना पड़ता है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती स्वास्थ्य महंगाई आने वाले समय में सामाजिक संकट का रूप ले सकती है। यदि इलाज और अस्पताल सेवाएं इसी तरह महंगी होती रहीं तो गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज कराना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी पूरी तरह राहत देने वाली नहीं है। वहां इलाज अपेक्षाकृत सस्ता जरूर है, लेकिन मरीजों को जांच बाहर से करानी पड़ती है, कई दवाइयां बाजार से खरीदनी पड़ती हैं और आने-जाने का खर्च अलग उठाना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में इलाज कराने आने वाले मरीजों के लिए यह खर्च कई गुना बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को अस्पतालों में उपयोग होने वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर, बिजली और अन्य आवश्यक सेवाओं पर राहत देने की जरूरत है। उनका कहना है कि यदि अस्पतालों की संचालन लागत कम नहीं की गई तो आने वाले समय में इलाज केवल संपन्न वर्ग तक सीमित होकर रह जाएगा।

मध्य प्रदेश में बढ़ती महंगाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब बीमारी केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक रीढ़ को भी तोड़ रही है। अस्पतालों में बढ़ते बिल और मरीजों की महंगी होती थाली ने आम आदमी की चिंता को कई गुना बढ़ा दिया है। इलाज अब राहत नहीं, बल्कि आर्थिक डर का दूसरा नाम बनता जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

भोपाल में दो दर्दनाक घटनाएं- छात्रा और अस्पताल अटेंडर ने की आत्महत्या, पुलिस जांच जारी

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर दो आत्महत्या की घटनाओं ने इलाके को झकझोर दिया है। अशोका गार्डन क्षेत्र में बीए की एक छात्रा ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली, जबकि खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में 23 वर्षीय अस्पताल अटेंडर ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अशोका गार्डन इलाके में रहने वाली बीए की छात्रा उस समय घर पर अकेली थी, क्योंकि उसकी मां बाहर गई हुई थीं। इसी दौरान यह घटना हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दूसरी घटना खजूरी सड़क क्षेत्र की है, जहां 23 वर्षीय युवक, जो एक अस्पताल में अटेंडर के रूप में कार्यरत था, ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनों मामलों में आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि कारणों का पता लगाया जा सके।

भोपाल में विवाद के बाद तनाव- अपशब्द और मारपीट के आरोप, मुस्लिम समाज ने किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल। दो दिन पहले एक होटल में ठहरे युवक और युवती को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा पकड़े जाने के बाद मामला विवादों में आ गया है। इसी दौरान एक मुस्लिम युवक के साथ मारपीट और आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप भी सामने आए हैं।

इस घटना के बाद मंगलवार को मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि युवक के साथ मारपीट की गई और अपशब्दों का प्रयोग हुआ। उन्होंने संबंधित लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे आंदोलन और बंद का आह्वान करेंगे।

स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों से बातचीत शुरू की। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज व गवाहों के बयान खंगाल रही है।

प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एमपी राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव की वोटिंग शुरू, 88 हजार वकील करेंगे मतदान

भोपाल समेत पूरे प्रदेश में एक साथ मतदान जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (State Bar Council) के चुनाव के लिए मंगलवार को पूरे प्रदेश में मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस चुनाव में करीब 88 हजार अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। भोपाल में मतदान जिला न्यायालय परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू हुआ, जो शाम 5 बजे तक जारी रहेगा।

राजधानी भोपाल से इस बार 20 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। सभी उम्मीदवार वकीलों के हितों, न्यायिक व्यवस्था में सुधार और अधिवक्ता कल्याण से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रचार कर रहे हैं। मतदान केंद्रों पर वकीलों में उत्साह देखा जा रहा है और सुबह से ही लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं।

यह चुनाव प्रदेश स्तर पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग जिलों के अधिवक्ता अपने-अपने केंद्रों पर वोट डाल रहे हैं। प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं।

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है अधिवक्ता परिषद

राज्य अधिवक्ता परिषद वकीलों के हितों की रक्षा, अनुशासनात्मक मामलों और कानूनी पेशे से जुड़े नियमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इस चुनाव को अधिवक्ता समुदाय के लिए बेहद अहम माना जाता है।

मतदान को लेकर सुरक्षा और व्यवस्था

जिला न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर पहचान पत्र जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है, ताकि प्रक्रिया निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

दिग्विजय की 24 साल पुरानी नोटशीट से मचा हड़कंप

रीवा के अनुदान प्राप्त स्कूल मामले में स्कूल शिक्षा विभाग घिरा, मुख्य सूचना आयुक्त ने मांगी पूरी फाइल; अफसरों को किया तलब

भोपाल। दिग्विजय सिंह की वर्ष 2002 में लिखी गई एक पुरानी नोटशीट अब मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। लगभग 24 साल पुराने इस मामले ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मामला रीवा जिले के मांगी गांव स्थित एक अनुदान प्राप्त विद्यालय से जुड़ा है, जिसे शासकीय किए जाने को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने नोटशीट पर टिप्पणी की थी। अब यही दस्तावेज सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के तहत मांगा गया, लेकिन विभाग उसे उपलब्ध नहीं करा पाया। इसके बाद मुख्य सूचना आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए पूरी फाइल तलब कर ली है।

सूत्रों के अनुसार, रीवा जिले के मांगी गांव के इस स्कूल को सरकारी किए जाने की प्रक्रिया वर्ष 2002 में शुरू हुई थी। उस समय मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने संबंधित फाइल पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी लिखी थी। बताया जा रहा है कि इसी नोटशीट के आधार पर आगे प्रशासनिक कार्रवाई की जानी थी। लेकिन दो दशक से अधिक समय गुजर जाने के बाद अब विभाग के पास उस नोटशीट और उससे संबंधित पूरी फाइल का रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है।

मामला तब सामने आया जब सूचना के अधिकार के तहत इस फाइल और नोटशीट की जानकारी मांगी गई। विभाग तय समय सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध नहीं करा सका। इसके बाद मामला राज्य सूचना आयोग तक पहुंचा। मुख्य सूचना आयुक्त ने इस पर नाराजगी जताते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तलब किया है और पूरी फाइल पेश करने के निर्देश दिए हैं।

इस घटनाक्रम ने विभागीय रिकॉर्ड प्रबंधन पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकारी दस्तावेजों और निर्णयों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होती है, लेकिन इतने महत्वपूर्ण मामले में रिकॉर्ड उपलब्ध न होना प्रशासनिक लापरवाही माना जा रहा है। खासतौर पर तब, जब मामला मुख्यमंत्री स्तर की नोटशीट से जुड़ा हो।

सूत्र बताते हैं कि सूचना आयोग अब यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर नोटशीट और संबंधित दस्तावेज कहां गायब हुए। क्या रिकॉर्ड सुरक्षित नहीं रखा गया, या फिर फाइल कहीं दबा दी गई, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विभागीय अधिकारियों पर अब जवाबदेही का दबाव बढ़ गया है।

राजनीतिक हलकों में भी यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। विपक्ष इस मुद्दे को सरकारी तंत्र की अव्यवस्था और रिकॉर्ड प्रबंधन की विफलता से जोड़कर देख रहा है। वहीं प्रशासनिक विशेषज्ञों का कहना है कि पुराने मामलों की फाइलों का डिजिटलीकरण समय पर नहीं होने के कारण इस तरह की समस्याएं सामने आती हैं।

जानकारों के मुताबिक, यदि सूचना आयोग को संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई भी हो सकती है। आरटीआई कानून के तहत जानकारी छिपाने या उपलब्ध नहीं कराने पर दंडात्मक प्रावधान मौजूद हैं। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग के कई अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

रीवा के मांगी गांव का यह स्कूल अब सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही और सरकारी रिकॉर्ड की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा मुद्दा बन चुका है। 24 साल पुरानी एक नोटशीट ने पूरे विभाग में हड़कंप मचा दिया है और अब सबकी नजर सूचना आयोग की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

भोपाल में मामूली बाइक टक्कर बनी खूनी वारदात

छोला मंदिर इलाके में युवक की चाकू मारकर हत्या, पेट से बाहर आ गई थीं आंतें; दो आरोपी गिरफ्तार

अजय लोधी, मृतक

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में मामूली बाइक टकराने का विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बदमाशों ने 20 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई। इलाज के दौरान मंगलवार तड़के युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक रासलाखेड़ी निवासी अजय लोधी निजी कंपनी में काम करता था। रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे उसका चचेरा भाई नितिन लोधी बाइक से राम मंदिर क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक एक नाबालिग से टकरा गई। नाबालिग सबरी नगर में आयोजित माता पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आया था।

बाइक टकराने के बाद नाबालिग के साथ आए दीपक ठाकुर और उसके साथियों ने नितिन से विवाद शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर अजय लोधी मौके पर पहुंचा और मामला शांत कराने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी दौरान आरोपियों ने अजय को धमकी भी दी थी।

कुछ देर बाद दोनों पक्ष रासलाखेड़ी इलाके में फिर आमने-सामने आ गए। यहां विवाद अचानक हिंसक हो गया और दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान दीपक ठाकुर और उसके साथियों ने अजय पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। एक चाकू सीधे उसके पेट में लगा। हमला इतना गंभीर था कि उसकी आंतें बाहर आ गईं और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में अजय को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक बताई। कई घंटों तक चले इलाज के बाद मंगलवार तड़के उसने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद मध्य प्रदेश पुलिस की छोला मंदिर थाना पुलिस ने पहले हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दीं। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक ठाकुर और उसके एक साथी को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विवाद अचानक बढ़ा और कुछ ही मिनटों में खूनी संघर्ष में बदल गया।

इस घटना ने एक बार फिर शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और मामूली विवादों में घातक हिंसा के मामलों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी-छोटी बातों पर चाकूबाजी और मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल है।

भोपाल एयरपोर्ट से बढ़ेगी सीधी उड़ानों की रफ्तार, श्रीनगर से केरल तक नई कनेक्टिविटी की तैयारी

एयरलाइंस से मांगे गए प्रस्ताव, सरकार देगी वित्तीय प्रोत्साहन

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट से आने वाले महीनों में देश के कई प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू होने की संभावना तेज हो गई है। इनमें श्रीनगर, चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, देहरादून और केरल जैसे बड़े गंतव्य शामिल हैं। सांसद आलोक शर्मा की हालिया बैठक के बाद राज्य सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रस्ताव (RFP - Request for Proposal) आमंत्रित किए हैं।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'ङ्क' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों को भोपाल और राज्य के अन्य एयरपोर्ट्स से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए आमंत्रित किया है। इसके तहत कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जाएगा, ताकि नई उड़ानों को बढ़ावा मिल सके।

भोपाल को बनाया जाएगा कनेक्टिविटी हब

एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मीक के अनुसार, भोपाल को मध्य भारत का मजबूत कनेक्टिविटी सेंटर बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। समिति की बैठकों में लगातार यह सुझाव सामने आए कि भोपाल से प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें बढ़ाई जाएं, जिससे पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा और मेडिकल टूरिज्म को गति मिले।

मीक ने बताया कि चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून और केरल जैसे शहरों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब सरकार की पहल से एयरलाइंस कंपनियों को ठोस प्रोत्साहन मिलेगा।

बैठकों में कई अहम सुझाव सामने आए

हाल ही में एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सांसद आलोक शर्मा और अन्य सदस्यों ने यात्रियों की सुविधा, एयर कनेक्टिविटी, पार्किंग, स्वच्छता और टर्मिनल विस्तार पर चर्चा की। बैठक में चेन्नई के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट, कोलकाता और जम्मू के लिए नियमित सेवाओं की मांग रखी गई।

इसके अलावा एयरपोर्ट पर बेहतर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, बड़े डिस्प्ले बोर्ड, रिक्लाइनर सीटिंग और आपातकालीन प्रशिक्षण व्यवस्था जैसे सुझाव भी दिए गए।

स्थानीय रूट और सुविधाओं पर भी जोर

बैठक में वैकल्पिक रूट जैसे हैदराबाद होकर चेन्नई, वाराणसी होकर अयोध्या और लखनऊ होकर देहरादून जैसे व्यवहारिक विकल्प भी सुझाए गए। साथ ही एयरपोर्ट को हेल्दी एयरपोर्ट बनाने के लिए स्थानीय व्यंजन, फ्रूट बार और पोहा स्टॉल जैसी सुविधाओं को शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट पर नया विवाद, 2028 तक डेडलाइन पूरी होना मुश्किल

बड़ा बाग कब्रिस्तान के पास एग्जिट पॉइंट को लेकर विरोध तेज

भोपाल। मेट्रो परियोजना एक बार फिर विवादों में आ गई है। इस बार मामला बड़ा बाग कब्रिस्तान क्षेत्र में प्रस्तावित मेट्रो एग्जिट पॉइंट को लेकर है, जहां स्थानीय स्तर पर विरोध सामने आया है। इस विवाद के चलते परियोजना की प्रगति पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अंडरग्राउंड कॉरिडोर में अड़चन

भोपाल मेट्रो का अंडरग्राउंड कॉरिडोर इसी क्षेत्र से गुजरना प्रस्तावित है। लेकिन एग्जिट पॉइंट की लोकेशन को लेकर असहमति के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विवाद जल्द नहीं सुलझा, तो परियोजना की समयसीमा पर सीधा असर पड़ेगा।

2028 की डेडलाइन पर संकट

मेट्रो प्रोजेक्ट को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह समयसीमा कठिन होती दिख रही है। लगातार सामने आ रहे तकनीकी और सामाजिक विवादों से काम की गति धीमी हो सकती है।

पहले भी देरी का सामना कर चुकी है परियोजना

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट पहले से ही कई चरणों में देरी का सामना कर चुका है। भूमि अधिग्रहण, डिजाइन बदलाव और अब एग्जिट पॉइंट विवाद ने परियोजना की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

भोपाल में दिल दहला देने वाली घटना- पिता ने 16 वर्षीय बेटे पर चलाई लाइसेंसी बंदूक, बाल-बाल बचा किशोर

पारिवारिक विवाद में फायरिंग, इलाके में मची अफरा-तफरी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र के एकता पुरी इलाके में सोमवार रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता ने अपने ही 16 वर्षीय बेटे पर लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से फायर कर दिया। राहत की बात यह रही कि गोली किशोर को नहीं लगी और वह सुरक्षित बच गया।

घटना रात करीब 10-45 बजे की

पुलिस के अनुसार यह घटना रात करीब 10-45 बजे हुई। एकता पुरी निवासी 16 वर्षीय राज चौरसिया उर्फ बंटी अपने घर की गैलरी में टहल रहा था, तभी उसके पिता वहां पहुंचे। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ा और आरोपी पिता ने बंदूक निकालकर फायर कर दिया।

गोली चलते ही किशोर घबराकर कमरे में छिप गया, जिससे उसकी जान बच गई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप

फायरिंग की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

शांति स्वरूप चौरसिया

लाइसेंसी बंदूक और कारतूस जब्त

अशोका गार्डन थाना पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से लाइसेंसी 12 बोर बंदूक और कारतूस जब्त किए गए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बंदूक का लाइसेंस ग्वालियर में रखा हुआ है।

पारिवारिक विवाद की पृष्ठभूमि

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पत्नी घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि पति अलग रहता था। घटना से दो दिन पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

पुलिस जांच जारी

पुलिस अब पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर विवाद इतना बढ़कर फायरिंग तक कैसे पहुंचा। आरोपी से पूछताछ जारी है।

संपादकीय

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

» एनआरआई के लिए डॉलर बांड

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फ़ीसद हिस्से का आयात करता है। खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं।

इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है। भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर मे भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में ज्यादा ध्यान देना होगा। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में दीर्घकालीन ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। सरकार और रिजर्व बैंक को समझना होगा, विदेशी मुद्रा भंडार केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह देश के आयात-निर्यात भुगतान के संतुलन तथा आर्थिक विश्वसनीयता का प्रतीक है। यदि विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है तो उसे संभालने के लिए बार-बार बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसलिए डॉलर बॉन्ड तत्काल मलहम का काम कर सकता है। यह स्थायी समाधान नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक नीतियों को बेहतर एवं मजबूत बनाना होगा। विदेशी मुद्रा भंडार आयात-निर्यात भुगतान संतुलन एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा का भंडार होना ही चाहिए। पिछले कुछ महीनों से जिस तरह से देश को अर्थ संकट का सामना कर रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है।

विदेशी निवेशक भारत से भाग रहे हैं। निर्यात की तुलना में आयात लगातार बढ़ रहा है। भारत सरकार के ऊपर देसी और विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा है। रुपए के मुकाबले डॉलर की कीमत तेजी से बढ़ रही है। इस दिशा में गंभीरता के साथ सरकार के अर्थ विशेषज्ञों और रिजर्व बैंक को जवाबदेही के साथ जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा, अन्यथा स्थिति कभी भी भयावह हो सकती है।

सनत जैन

राज काज

परिवारवाद की बिहार में नई परिभाषा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार मंत्रिमंडल के विस्तार में पहुंचे। उन्होंने परिवारवाद के विरोध में तगड़ा भाषण दिया। बिहार में जो मंत्री, उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री बने हैं। उसमें अधिकांश नेताओं के परिवार के लोग हैं। बिना चुनाव लड़े नेताओं के पुत्रों को मंत्री बना दिया गया। नीतीश कुमार के पुत्र भी मंत्री बन गए।जब प्रधानमंत्री परिवारवाद के खिलाफ बोल रहे थे। जो मंत्री शपथ ले रहे थे। उसको देखकर पहली बार बड़ी जगहंसाई हुई है। इसे कहते हैं पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

महाराष्ट्र में मराठी प्रेम, हिंदी का विरोध

महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध बड़े पैमाने पर हो रहा है। हिंदी भाषी टैक्सी, ऑटो ड्राइवर तथा ट्रक चालकों के ऊपर जैसे कहर टूट पड़ा है। मराठी और हिंदी को लेकर अब हिंसक झगड़ा होने लगे हैं। पिछले 50-55 साल से भाषा का विवाद देश में खत्म हो गया था। एक बार फिर सत्ता के लिए भाषाई विवाद शुरू हो गए हैं। हिंदी और मराठी दोनों देवनागरी लिपि से निकली हैं। दोनों भाषा मौसी की तरह सगी बहनें हैं। इसके बाद भी उनमें लड़ाई करा दी गई। इसे कहते हैं, सत्ता की लड़ाई।

मोदी राज में, मेरी मर्जी

2014 के बाद से विभिन्न प्रदेशों में जो राज्यपाल नियुक्त हुए हैं। वह संविधान की मर्जी से नहीं,भाजपा और अपनी मर्जी से निर्णय करते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के राज्यपाल ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट निर्णयों के विपरीत जाकर राजभवन में 118 विधायकों के परेड करने का निर्देश सबसे बड़ी पार्टी को दे दिया। उन्होंने विजय को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। इसे कहते हैं, कुर्सी में ताकत होती है। कुर्सी में बैठा हुआ व्यक्ति निर्णय करता है। तमिलनाडु और केरल की सरकारें इसका स्वाद चख चुकी हैं। मुख्यमंत्री बनने के पहले विजय ने भी यह स्वाद चख लिया है। राज्यपाल ने बता दिया है कानून की किताबों में कोई ताकत नहीं होती है।नाही सत्ता में नैतिकता और जवाबदेही का कोई लेना-देना होता है। भले मुख्यमंत्री बन जाओ, चलना तो राज्यपाल की मर्जी से ही पड़ेगा।

कांग्रेस और डीएमके के बीच तलाक

विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने तमिलनाडु में कुछ सीट बढ़ाने की मांग स्टालिन से की थी। स्टालिन ने राहुल गांधी और कांग्रेस की मांग को नहीं माना। विधानसभा चुनाव के जो परिणाम आए। उसमें अभिनेता विजय की पार्टी ने 108 सीटों पर विजय प्राप्त करके, मुख्यमंत्री पद का दावा कर दिया। राहुल गांधी ने पांच विधायकों का समर्थन देकर विजय को अपने पाले में ले लिया। डीएमके और स्टालिन नाराज हो गए और उन्होंने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस से पल्ला झाड़ लिया। राहुल गांधी ने तुरंत समर्थन नहीं दिया होता, तो एक विधायक वाली भाजपा तमिलनाडु में क्या करती, इसका एहसास शायद स्टालिन को नहीं है।अन्यथा वह इंडिया गठबंधन में बने रहते। डीएमके और अन्ना डीएमके का भविष्य किसी न किसी राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ा होता है। राष्ट्रीय पार्टी के बिना दोनों का कोई अस्तित्व नहीं है।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है।

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।ऽ भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्त्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैशिवक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

सुविचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।

- सत्यसाई बाबा

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है।

- स्वामी विवेकानन्द

प्रसंगत

डॉक्टर की पहचान

रसायनशास्त्री नागार्जुन एक राज्य के राज वैद्य थे। एक दिन उन्होंने राजा से कहा, 'मुझे एक सहायक की जरूरत है।' राजा ने उनके पास दो कुशल युवकों को भेजा और कहा कि उनमें से जो ज्यादा योग्य लगे उसे रख लें। नागार्जुन ने दोनों की कई तरह से परीक्षा ली पर दोनों की योग्यता एक जैसी थी। नागार्जुन दुविधा में पड़ गए कि आखिर किसे रखें। अंत में उन्होंने दोनों युवकों को एक पदार्थ दिया और कहा, 'इसे पहचान कर कोई भी एक रसायन अपनी इच्छानुसार बनाकर ले आओ। हां, तुम दोनों सीधे न जाकर राजमार्ग के रास्ते से जाना।' दोनों राजमार्ग से होकर अपने-अपने घर चले गए। दूसरे दिन दोनों युवक आए। उनमें से एक युवक रसायन बना कर लाया था जबकि दूसरा खाली हाथ आया था। आचार्य ने रसायन की जांच की। उसे बनाने वाले युवक से उसके गुण-दोष पूछे। रसायन में कोई कमी नहीं थी। आचार्य ने दूसरे युवक से पूछा, 'तुम रसायन क्यों नहीं लाए?' उस युवक ने कहा, 'मैं पहचान तो गया था मगर उसका कोई रसायन में तैयार नहीं कर सका। जब मैं राजमार्ग से जा रहा था तो देखा कि एक पेड़ के नीचे एक बीमार और अशक्त आदमी दर्द से तड़प रहा है। मैं उसे अपने घर ले आया और उसी की सेवा में इतना उलझ गया कि रसायन तैयार करने का समय ही नहीं मिला।

जरा हटके

नासा ने गैलेक्सी एम-77 की तस्वीरें की जारी

नई दिल्ली, । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से गैलेक्सी एम-77 की तीन तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में गैलेक्सी का केंद्र इतनी तेजी से चमक रहा है कि पूरी गैलेक्सी चमक रही है। सबसे खास बात इन तस्वीरों में दिखने वाले 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो टेलीस्कोप के ऑप्टिक्स की वजह से बनने वाला एक ऑप्टिकल प्रभाव है। ये डिफ्रैक्शन स्पाइक्स कोई गैलेक्सी की असली संरचना नहीं बल्कि टेलीस्कोप का ऑप्टिकल प्रभाव है। गैलेक्सी एम-77 सर्पिल गैलेक्सी है और सक्रिय केंद्र वाली गैलेक्सियों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के आसपास की गतिविधि नए तारों के निर्माण और गैलेक्सी की संरचना को बेहतर समझने में मदद मिलेगी। नासा ने इन तस्वीरों के साथ लिखा- किसी को भी अपनी चमक कम न करने दें। गैलेक्सी एम-77 का केंद्र इतना चमकदार है क्योंकि गैस उसके केंद्रीय ब्लैक होल के चारों ओर बहुत तेज गति से घूम रही है। इस तेज घुमाव से गैस गर्म हो जाती है और भारी मात्रा में ऊर्जा व रेडिएशन निकालती है। पहली तस्वीर-मिड-इन्फ्रारेड व्यू है। इस तस्वीर में गैलेक्सी के केंद्र से निकलने वाली तेज चमक सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। केंद्र से छह बड़ी और दो छोटी चमकदार नारंगी किरणें बाहर की ओर निकल रही हैं। ये किरणें असल में 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो वेब टेलीस्कोप की बनावट के कारण पैदा होते हैं। गैलेक्सी की सर्पिल भुजाओं में नारंगी रंग के चमकते बुलबुले दिख रहे हैं, जो नए बने तारों के समूह या स्टार क्लस्टर्स हैं। गैलेक्सी का बाकी हिस्सा धूल के नीले घूमते बादलों से भरा नजर आ रहा है। वहीं, दूसरी तस्वीर नियर-इन्फ्रारेड व्यू है, जिसमें गैलेक्सी के केंद्र में 6 हजार प्रकाश वर्ष लंबा एक 'बार' साफ दिख रहा है। यह बार एक चमकदार छल्ले से घिरा हुआ है, जिसे 'स्टारबर्स्ट रिंग' कहा जाता है। यह छल्ला गैलेक्सी की दो सर्पिल भुजाओं के अंदरूनी सिरों से बनता है। स्टारबर्स्ट क्षेत्र वे जगहें हैं जहां नए तारे बहुत तेजी से बन रहे हैं। यहां भी केंद्र से छह लंबी चमकदार किरणें यानी डिफ्रैक्शन स्पाइक्स निकल रही हैं। तीसरी तस्वीर दोनों इन्फ्रारेड व्यूज का कॉम्बिनेशन हैं। यह तस्वीर मिड-इन्फ्रारेड और नियर-इन्फ्रारेड दोनों को मिलाकर बनी है। इसमें गैलेक्सी की खूबसूरती और वैज्ञानिक महत्व दिख रहा है। केंद्र से निकलने वाले डिफ्रैक्शन स्पाइक्स, स्टारबर्स्ट रिंग, सर्पिल भुजाएं और धूल के बादल सभी स्पष्ट नजर आ रहे हैं। वेब टेलीस्कोप की बनावट की वजह से चमकदार वस्तुओं के चारों ओर छह-प्लस-दो बिंदुओं वाला पैटर्न बनता है।

व्यंग

कोई शक?

डॉ. शैलजा सक्सेना

कहते हैं कि शक करना एक बीमारी है। शक करने वाला कभी शान्ति से नहीं रह पाता। शान्ति से न रह पाने वाली बात तो सही है इसीलिए हमारे बड़े-बूढ़े विश्वास करने की बात कहते थे। विश्वास में शान्ति और सुख है अतः हमें उसी का पाठ पढ़ाया जाता रहा और शक या संदेह को बहुत निम्न स्तर का या कहें कि रोग की तरह 'छी-छी' करके दुत्कारा गया।

मैं सोचती हूँ कि शक को हीनता से देखना किस समय से सिखाया जा रहा होगा क्योंकि सनातन धर्म में और उससे निकले धर्मों में तो तर्क को, प्रश्न को स्थान दिया गया है। गीता में अर्जुन लगातार युद्ध पर शक करते हैं और श्री कृष्ण बिना नाराज़ हुए उत्तर देते हैं यहाँ तक कि उनके शक को दूर करने के लिए अपने विराट स्वरूप को दिखा कर प्रमाण देते हैं। रामकथा में भी अनेक स्थानों पर संदेह/प्रश्न हैं जिनका उत्तर दिया गया है। शक तभी पैदा होते हैं जब मिले हुए उत्तरों पर विश्वास नहीं होता। विश्वास न होने के लिए शक का होना आवश्यक है। मुझे शक है कि शक को रोग बता कर 'हकीम लुकमान के पास भी इसका इलाज न होने' की बात करने वाले समाज ने शक को कमतर ठहराया होगा। साथ ही हर शीर्ष सत्ता ने अपने से नीचे के लोगों को दबाने के लिए शक न करने की सलाह दी होगी जिससे उनका वर्चस्व कभी प्रश्नों और संदेह के घेरे में न आए। मुझे इस शक न करने वाली सीख पर शक हुआ और शक करना अच्छी और सही बात लगी। शक करने से व्यक्ति को सही और ग़लत जाँचने की बुद्धि को तीव्र करने का मौक़ा मिलता है। अगर यह शक न किया जाता कि जिस जगह हम रह रहे हैं तो जान न पाते कि उसके आगे भी दुनिया है, तो लोग नए देशों की खोज न करते बल्कि आज के समय में कहें तो वे न कभी चाँद पर जा सकते थे और न ही वे नए ग्रहों की खोज कर पाते। उन्होंने शक किया कि चंद्रमा केवल कवियों की उपमाओं को सुंदर स्त्रियों के चेहरे से तुलना करने के लिए नहीं बना, उन्होंने यह भी शक किया कि वह न तो मामा है और न ही बूर में पुए पकाता है, न वहाँ कोई बूढ़ी नानी अकेली बैठी चरखा कात रही है, शक ने उन्हें खोज करने, आविष्कार करने और उस तक पहुँचने के दुस्साहस की ओर ढकेला। अगर वे इन्हीं कही हुई बातों पर विश्वास कर लेते तो मामा के आने और पुए खिलाने का इंतज़ार ही करते रहते! और जब वे इस इंतज़ार से दुखी होते तो शायर लोग फिर उन्हें समझाते कि 'इंतज़ार करने में जो मज़ा है . . .' धत! यह भी झूठ है। झूठ के सच होने का इंतज़ार मज़ा नहीं, सज़ा है।

फोटो ऑफ द डे

बैंकाक में थाइलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री तकसिन सिनवात्रा जेल से पेरोल पर बाहर आने के बाद अपने समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है।

स्वास्थ्य

गर्मियों में अखरोट खाने से हो सकती है पेट में गर्मी, एसिडिटी

नई दिल्ली । गर्मियों में अखरोट की तासीर गर्म मानी जाती है, इसलिए इसे खाने में सावधानी बरतनी चाहिए। कच्चा अखरोट गर्मियों में पेट में गर्मी, एसिडिटी या सीने में जलन पैदा कर सकता है। अखरोट सेहत के लिए बेहद फायदेमंद ड्राई फ्रूट माना जाता है, जो ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे सुपरफूड भी कहा जाता है क्योंकि यह दिमाग की सेहत सुधारने, हार्ट हेल्थ बेहतर करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंजाइम इन्हिबिटर्स पाचन को धीमा कर देते हैं, जिससे गैस और अपच की समस्या हो सकती है। इसके अलावा इसमें फाइटिक एसिड भी पाया जाता है, जो शरीर में मिनरल्स के अब्जॉर्पशन को रोकता है। ऐसे में गर्मियों में अखरोट को भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

भिगोए हुए अखरोट में मौजूद एंजाइम इन्हिबिटर्स खत्म हो जाते हैं और फाइटिक एसिड का स्तर भी कम हो जाता है, जिससे पाचन आसान होता है और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। भीगे हुए अखरोट की तासीर हल्की ठंडी हो जाती है, जो गर्मियों के मौसम के लिए उपयुक्त है। अखरोट को 6 से 8 घंटे तक पानी में भिगोकर रखना चाहिए, रातभर भिगोना सबसे अच्छा तरीका है। सुबह इसका छिलका उतारकर खाना चाहिए, क्योंकि छिलके में टैनिन पाया जाता है।

रूसी राष्ट्रपति ने की स्कूली टीचर से मुलाकात, छात्र को देख रो पड़ी गुरेविच

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्कूल के समय की अपनी टीचर से मुलाकात की। खास बात ये रही कि पुतिन खुद कार ड्राइव करके टीचर वेरा गुरेविच से मिलने पहुंचे और उनके साथ खाना भी खाया। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने बताया है कि पुतिन ने टीचर गुरेविच को मॉस्को में विजय परेड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ऐसे में वह मॉस्को आईं तो पुतिन ने ना सिर्फ उनके मुलाकात की बल्कि उनके लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया। स्टूडेंट-टीचर की मुलाकात के वीडियो ने दुनिया का ध्यान खींचा है।

व्लादिमीर पुतिन खुद मॉस्को के उस होटल में गए जहां टीचर वेरा गुरेविच ठहरी थीं। वह उनको खुद अपनी कार में लेकर क्रेमलिन आए, जहां उन्होंने साथ में डिनर किया। वेरा गुरेविच लेनिनग्राद स्कूल नंबर 193 में व्लादिमीर पुतिन की कक्षा शिक्षिका थीं। वह अब काफी बुजुर्ग हो गई हैं। उनके स्टूडेंट रहे पुतिन ही 73 साल की उम्र को हो रहे हैं। पुतिन और वेरा गुरेविच की मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुतिन जब फूलों का गुलदस्ता लेकर अपनी पुरानी टीचर को प्रेसिडेंशियल रेजिडेंस में डिनर के लिए लेने गए तो वह कमजोरी के बावजूद उठ खड़ी हुई और पुतिन को गले से लगा लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक टीचर वेरा अपने पुराने स्टूडेंट को राष्ट्रपति के तौर पर अपने सामने देखकर देखकर इमोशनल हो गईं। पुतिन को गले से लगाकर वह अपनी आंखों से आंसू आने से नहीं रोक सकीं।

ईरानी यूरेनियम की 'स्पेस फोर्स' कर रही निगरानी, जो वहां गया उसे उड़ा देंगे

वाशिंगटन। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम की निगरानी अब अमेरिकी 'स्पेस फोर्स' कर रही है। ट्रंप का कहना है कि अगर किसी ने भी वहां पहुंचने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा' दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, मलबे के नीचे दबे ईरान के संवर्धित यूरेनियम पर लगातार नजर रखे हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति ईरान के संवर्धित यूरेनियम के पास पहुंचने की कोशिश करेगा, तो अमेरिका को तुरंत इसकी जानकारी मिल जाएगी और उसे उड़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने दावा किया कि अगर अमेरिका चाहता।

पाकिस्तान में एलपीजी टैंकर में विस्फोट से 35 लोग झुलसे, कई गंभीर।

ईरान पर ट्रंप का सख्त रुख: ओबामा को घेरा, प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव फिर खतरनाक मोड़ पर आ गया है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बेहद सख्त दिख रहे हैं और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की नीतियों पर तीखा हमला किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान ने बीते 47 सालों से अमेरिका और दुनिया को गुमराह किया है, अमेरिका को सबसे बड़ा मूर्ख समझा है, लेकिन अब वह ऐसा नहीं कर पाएगा। उन्होंने 2015 के परमाणु समझौते से जुड़ी ओबामा प्रशासन की नीतियों की कड़ी आलोचना कर कहा कि ओबामा ने प्रतिबंधों में ढील और नकद भुगतान के ज़रिए ईरान को आर्थिक रूप से मज़बूत किया। ट्रंप के अनुसार, ओबामा ईरान के प्रति नरम थे, उन्होंने इज़राइल और अन्य सहयोगियों को दरकिनार किया, और ईरान को सैकड़ों अरब डॉलर दिए, जिसमें सूटकेस व बैग में भेजे गए 1.7 अरब डॉलर नकद भी शामिल थे। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि ईरान ने सोचा था कि उस सबसे कमज़ोर और बेवकूफ़ अमेरिकी राष्ट्रपति मिल गया है।

ट्रंप ने ये पुष्टि की कि अमेरिका ने ईरान को शांति प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उन्होंने पूरी तरह अस्वीकार्य और गलत जवाब बताकर तुरंत खारिज किया। हालांकि, ट्रंप ने ईरान के जवाब का विवरण नहीं दिया। ईरानी मीडिया के अनुसार, ईरान ने युद्ध के नुकसान का मुआवज़ा, आर्थिक प्रतिबंध हटाने और हॉर्मोज़ जलडमरूमध्य पर अपने अधिकार की बात थी। प्रस्ताव में कहा गया था कि लड़ाई केवल ईरान तक सीमित न रहे बल्कि पूरे क्षेत्र में समाप्त हो।

इस बीच, खाड़ी देशों में ड्रोन गतिविधि बढ़ गई है और तनाव गहरा रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के कुछ हिस्से को पतला करने या किसी तीसरे देश को सौंपने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और समृद्ध यूरेनियम हटाना अनिवार्य है। उन्होंने कड़े कदम उठाने की संभावना से इंकार नहीं किया। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजस्कियान ने स्पष्ट किया कि ईरान दुश्मन के सामने कभी सिर नहीं झुकाएगा और बातचीत आत्मसमर्पण नहीं है।

ब्रिटेन में 70 लेबर सांसदों ने पीएम कीर स्टार्मर से मांगा इस्तीफा

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में इन दिनों 70 से ज्यादा लेबर सांसदों ने पीएम कीर स्टार्मर से इस्तीफा देने की अपील की। जानकारी के मुताबिक यह अपील तब की गई जब सत्ताधारी पार्टी को स्थानीय और क्षेत्रीय चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ा, जिससे सरकार के अंदर बढ़ता नेतृत्व संकट और गहरा गया। वहीं दबाव और तब और बढ़ गया जब चार मंत्री सहयोगियों ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने निजी तौर पर यह सवाल उठाया कि क्या स्टार्मर 2029 में होने वाले अगले आम चुनाव तक लेबर पार्टी का नेतृत्व जारी रख पाएंगे।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक विदेश सचिव यवेट कूपर और गृह मंत्री शबाना महमूद समेत कई कैबिनेट मंत्रियों ने स्टार्मर से लेबर पार्टी के खराब चुनावी प्रदर्शन के बाद सत्ता के सुचारू हस्तांतरण पर विचार करने का आग्रह किया। बता दें लेबर पार्टी के नियमों के तहत नेतृत्व के लिए औपचारिक मुकाबले की शुरुआत करने के लिए 81 सांसदों की जरूरत होती है। बढ़ते विद्रोह के बावजूद स्टार्मर ने इस्तीफे की मांगों को खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि वह अपने नेतृत्व में विश्वास बहाल करने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

लंदन में पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने कहा कि मुझे पता है कि मुझ पर शक करने वाले लोग हैं, और मुझे उन्हें गलत साबित करना है और मैं ऐसा करूंगा। यह तीखी प्रतिक्रिया पूरे इंग्लैंड में काउंसिल चुनावों में लेबर पार्टी की भारी हार और स्कॉटलैंड और वेल्स में मिली असफलताओं के बाद सामने आई। वेल्स में पार्टी ने 1999 के बाद पहली बार वेल्श संसद पर अपना नियंत्रण प्लेड सिमरू पार्टी के हाथों खो दिया।

अब नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीयों को दिखाना होगा पहचान पत्र

काठमांडू। नेपाल ने भारत से आने वाले लोगों के लिए सीमा पर सुरक्षा जांच कड़ी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब जोगबनी सीमा चौकी से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय लोगों को पहचान पत्र दिखाना जरुरी होगा। इसका उद्देश्य अवैध घुसपैठ, आपराधिक गतिविधियों और संदिग्ध लोगों की आवाजाही पर रोक लगाना है। फिलहाल यह फैसला मोरंग जिला सुरक्षा समिति ने लिया है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक यह कदम किसी कूटनीतिक विवाद के तहत नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया है। हालांकि दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी ओपन बॉर्डर व्यवस्था जारी रहेगी। अब नेपाल जाने वाले भारतीय यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर आईडी या अन्य वैध पहचान दस्तावेज जरूर रखें।

उर्विल भविष्य में बेहतर बल्लेबाज बनेंगे : हरभजन।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आकलन चाहिए। लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनों ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास क्रणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। क्रणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा, कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

कुश्ती महासंघ पर भड़की विनेश, मुझे खेल छोड़ने मजबूर किया जा रहा

गोंडा। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर आरोप लगाये हैं कि उन्हें खेल से बाहर करने के प्रयास चल रहे हैं। विनेश ने कहा है कि कुश्ती महासंघ उन्हें जानबूझकर परेशान कर रहा है ताकि वह खेल छोड़ दें। विनेश ने कहा है कि वह इसके बाद भी खेल नहीं छोड़ेंगी और अपनी ओर से संघर्ष करती रहेंगी। विनेश का प्रयास गोंडा में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से वापसी का था पर कुश्ती महासंघ ने उन्हें अयोग्य घोषित कर रोग दिया। महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने के नोटिस समय की बात कहते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक के लिए अयोग्य ठहराया है।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के योग्य हैं पर महासंघ के अधिकारियों ने उनको अवसर देने से साफ इंकार कर दिया। महासंघ के अधिकारियों से मुलाकात के बाद विनेश ने कहा, आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं।

उन्होंने कहा कि महासंघ के कारण बताओ नोटिस पर उन्होंने अपना जवाब भी दे दिया है। साथ ही कहा कि इससे पहले मुझे किस आधार पर दोषी माना जा रहा है। विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से अनुमति मिल गयी।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड। भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है। न्यूजीलैंड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरू होगा। बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई।

बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है। लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है। जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था। यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है। बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो। हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं। अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे।

वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंततः प्रशंसकों को ही लाभ होगा। उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं। हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नामेंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है। आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। इस बयान में कहा गया, "यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की थी। दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की। यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है।

जीआरपी ने ट्रेनों में हो रही चोरियों का किया खुलासा

10 मोबाइल सोने के जेवरात सहित 3 लाख 20 हजार का मसरूका बरामद

कटनी (ब्यूरो)। रेल पुलिस ने ट्रेनों में लगातार हो रही चोरी की वारदातों की पतासाजी करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 10 मोबाइल फोन एवं सोने के जेवरात सहित लगभग 3 लाख 20 हजार रुपये का मसरूका बरामद किया है। आरोपी को गिरफ्तार करते हुए मामले में पूछताछ की गई, जिससे चोरी की कई वारदातों का खुलासा हुआ। रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत जीआरपी को बड़ी सफलता हाथ लगी। बताया जाता है कि विगत 11 मई को जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सुमित उर्फ कल्लन निषाद पिता राजकुमार निषाद निवासी खिरहनी कटनी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी गया वीवो कंपनी का मोबाइल, 5 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र लाकेट बरामद किया गया। इसी कार्रवाई में आरोपी महेश कोल पिता रवि कोल निवासी माधवनगर के कब्जे से ओप्पो कंपनी का मोबाइल बरामद किया गया। एक अन्य आरोपी रामप्रकाश नामदेव निवासी पन्ना नाका सतना से सैमसंग कंपनी का मोबाइल जप्त किया गया। इसी तरह 7 मई को आरोपी भूपेंद्र द्विवेदी निवासी सिमरिया जिला रीवा के कब्जे से वीवो कंपनी का मोबाइल, आरोपी हरिशंकर पटेल निवासी झिंझरी के कब्जे से ओप्पो कंपनी का मोबाइल तथा आरोपी राकेश खरे निवासी खिरहनी फाटक के कब्जे से रेडमी कंपनी का मोबाइल बरामद किया गया। एक अन्य मामले में 8 मई को आरोपी संतोष गुप्ता पिता श्यामलाल गुप्ता निवासी छोटी ओमती बेलवाग के कब्जे से रेडमी कंपनी का मोबाइल एवं आरोपी सुजीत तुरकेन पिता रतनलाल तुरकेन निवासी कटनी के कब्जे से रेडमी कंपनी का मोबाइल कीमत 6 हजार रुपये जप्त किया गया।

महिला भी निकली आरोपी

9 मई को आरोपी कृष्ण कुमार निवासी सिदनपुरी के कब्जे से मोबाइल, आरोपी अरविंद्र कुशवाहा निवासी टिकुरी के कब्जे से पोको कंपनी का मोबाइल, आरोपिया अनीता सौधिंया निवासी भैंसाखाना काली मंदिर के पास सतना से वीवो कंपनी का मोबाइल, आरोपी दशरथ राजपूत निवासी रहली के कब्जे से वीवो कंपनी का मोबाइल, 10 मई 2026 को आरोपी रिजवान खान निवासी भोपाल के कब्जे से वन प्लस कंपनी का मोबाइल जत किया गया। इस तरह रेल पुलिस ने सभी आरोपियों के कब्जे से 3 लाख 20 हजार रुपये का मसरूका बरामद करते हुए आरोपी सुमित उर्फ कल्लन निषाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

जीआरपी एवं आरपीएफ ने चलाया अभियान

जीआरपी एवं आरपीएफ पोस्ट द्वारा संयुक्त रूप से रेलवे स्टेशन, मुसाफिर खाना एवं यात्री ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान भी चलाया गया। यात्रियों को एलाउंसमेंट के माध्यम से लगेज में मजबूत ताला लगाने, सामान सुरक्षित रखने एवं किसी अपरिचित व्यक्ति से खाने-पीने की वस्तु स्वीकार नहीं करने की समझाइश दी गई। आउटर क्षेत्रों में गश्त कर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई।

आबकारी विभाग की अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मंगलवार को सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोक खत्री, गोपाल यादव, जहांगीर खान, धर्मेंद्र जोशी, सी.के. साहू, पवन टिकेकर एवं कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में जिला इंदौर के आबकारी स्टाफ द्वारा वृत्त महू 卐ब卐 क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान महू क्षेत्र के भौंडिया तालाब, गवली पलासिया, बंजारी, भाटखेड़ी एवं अन्य स्थानों पर दबिश दी गई। इस दौरान कुल 10 छापों के दौरान आठ प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई के दौरान 210 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 1800 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दवा विक्रेता संघ की हुई बैठक में 20 मई को बंद का आह्वान

मैहर (ब्यूरो)। दवा विक्रेता संघ जिला मैहर की महत्वपूर्ण बैठक मां शारदा यात्री निवास में आयोजित की गई। बैठक में 20 मई को प्रस्तावित ऑल इंडिया केमिस्ट बंद को सफल बनाने पर चर्चा की गई। दवा विक्रेताओं की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। आगामी 20 मई बुधवार को ऑल इंडिया केमिस्ट बंद को पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया गया। सभी मेडिकल स्टोर, दवा प्रतिष्ठान 20 मई को सुबह से ही बंद रहेंगे एवं 11 बजे सिविल अस्पताल के सामने सभी दवा व्यापारी एकत्रित होकर विरोध जताकर प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर दीनदयाल तिवारी, मनीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष मैहर नीरज गर्ग की उपस्थिति रही।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं का हुआ निराकरण

मैहर (ब्यूरो)। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से आए आवेदकों की समस्याओं को सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल एवं महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरही सीएमओ का अतिरिक्त प्रभार तहसीलदार को

कटनी (ब्यूरो)। नगर परिषद बरही की प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। इसके तहत कलेक्टर ने नगर परिषद बरही का अतिरिक्त प्रभार तहसीलदार बरही श्री आदित्य प्रकाश द्विवेदी को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ सौंपा है। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद बरही रामशिरोमणि त्रिपाठी को स्वास्थ्य कारणों से 11 अप्रैल 2026 से 08 मई 2026 तक कुल 28 दिवस का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया गया है। श्री त्रिपाठी की अवकाश अवधि के दौरान पूर्व में नगर परिषद बरही का प्रभार मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद कैमोर मनीष परते को सौंपा गया था। किन्तु प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से अब यह व्यवस्था परिवर्तित करते हुए नगर परिषद बरही का अतिरिक्त प्रभार तहसीलदार बरही आदित्य प्रकाश द्विवेदी को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ सौंपा गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

बारदाना घोटाले के आरोपी को बचा रहा प्रशासन

ओबीसी महासभा एवं बिरसा मुंडा संगठन ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

कटनी (ब्यूरो)। विजयराघवगढ़ में हुए बारदाना घोटाले को लेकर ओबीसी महासभा एवं भगवान बिरसा मुंडा संगठन के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का प्रयोग करना पड़ा। ओबीसी महासभा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दो प्रमुख मांगें रखीं। जिसमे कांटी खरीदी केंद्र प्रभारी अनमोल दुबे को तत्काल पद से हटाया जाए और एफआई दर्ज की जाए। महासभा का आरोप है कि एसडीएम की जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी की पुष्टि के बावजूद 20 दिन से कोई कार्रवाई नहीं हुई। ढीमरखेड़ा की महिला एसडीएम के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई की जाए। संगठन का कहना है कि महिला अधिकारी के सम्मान से समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। इस दौरान बैरिकेड तोड़कर कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर बितर किया गया। महासभा के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बारदाना घोटाले के आरोपी अनमोल दुबे को प्रशासन द्वारा बचाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मांगों पर नियमानुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने किया आंगनवाडी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

व्यवस्थायें सुधारने के दिये निर्देश

मैहर (ब्यूरो)। कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने जनपद पंचायत मैहर के ग्राम हरदासपुर एवं धनवाही के आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहे हैं, बच्चों की उपस्थिति भी कम है तथा पोषण आहार का उचित रूप से वितरण भी नहीं पाया गया। इसके अलावा आंगनवाडी केन्द्र परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था भी उचित नहीं पाई गई। कलेक्टर मैहर ने संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से खोले जायें और सभी व्यवस्थाओं में सुधार लाये, अन्यथा संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य भी पाया कि सीडीपीओ द्वारा आंगनवाडी केंद्रों का नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा था, जिसके कारण कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के कार्यो में लापरवाही दिख रही है। कलेक्टर ने संबंधित सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश डीपीओ राजेन्द्र बांगरे को दिये। निरीक्षण के दौरान हरदासपुर आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या कम पाये जाने पर कार्यकर्ता ने बताया कि आंगनवाडी केंद्र बस्ती से लगभग 2 किलोमीटर दूर होने के कारण अधिकतर बच्चे नहीं आ पाते। कलेक्टर मैहर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्र को पुन: पुरानी स्थान स्कूल परिसर में संचालित किया जाए ताकि बच्चों की संख्या बड़ सके। आंगनवाडी केन्द्रों के पोषण आहार वितरण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित मदर टेरेसा स्व सहायता समूह का अनुबंध निरस्त कर दूसरे समूह की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। आंगनवाड़ी केंद्र की सफाई एवं मरम्मत के लिए जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, जनपद सीईओ अशोक तिवारी, महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 117 लोगों की समस्यायें

अधिकारियों को दिये त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी (ब्यूरो)। कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए 117 आवेदकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे उइके एवं लोक सेवा के जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा सहित अन्य जिलाधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई में शिवाजी नगर, कटनी निवासी नितिन तिवारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होम लोन पर मिलने वाली ब्याज सब्सिडी दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को शिकायत के निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम रजवारा, तहसील विजयराघवगढ़ निवासी विष्णु प्रसाद सोनी ने आवेदन देते हुये बताया कि पिछले 3 सालों से मेरा ऐवरेज बिजली का बिल आ रहा है और अब यह बढ़कर 1 लाख रूपये से अधिक हो चुका है। जिस पर कलेक्टर ने विद्युत विभाग को शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिये। ग्राम गणेशपुर, तहसील बड़वारा के निवासी सुखलाल पटेल ने आवेदन दिया कि सिंचाई विभाग में चपरासी रहे उनके पिता की मृत्यु के बाद उनकी माता कौशिल्या बाई को पेंशन नहीं मिल रही है। जबकि मैंने पेंशन संबंधी सभी दस्तावेज जमा कर दिये हैं। इस पर कलेक्टर ने अग्रणी जिल प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही कर शिकायत के निराकरण हेतु निर्देशित किया। वहीं शासकीय भूमि पर पट्टे की मांग करते हुये ग्राम खुड़ावल निवासी निरपत सिंह ने कहा कि वे पूर्वजों के समय से जिस सरकारी ज़मीन पर खेती कर रहे हैं, उनका भरण-पोषण उसी से होता है, अत: उन्हें उस भूमि का पट्टा प्रदान किया जाए।

सफाई व्यवस्था सुधारने सीएमओ ने किया वार्डों का निरीक्षण

मैहर। नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मंगलवार को सीएमओ प्रिंस अग्रवाल ने स्वयं मोर्चा सम्हाला। सीएमओ प्रिंस अग्रवाल अपनी पूरी टीम के साथ शहर के विभिन्न वार्डों के निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड क्रमांक 14, 15, 16, 17, 18 एवं 21 में जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सफाई दरोगा छोटे सिंह एवं मनोज प्रजापति सहित पूरी नगर पालिका की टीम मौजूद रही। टीम ने वार्डों में फैली गंदगी, नालियों की सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया। सीएमओ ने कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित सफाई करने, गंदगी हटाने तथा संक्रमण से बचाव के लिए पाउडर एवं ब्लीचिंग डालने के निर्देश भी दिए। सीएमओ के इस निरीक्षण अभियान से नगरवासियों में उम्मीद जागी है कि आने वाले दिनों में शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी।

नाले पाटकर और कृषि भूमि पर दिलेरी से हो रहा अवैध कॉलोनियों का निर्माण

कटनी (ब्यूरो)। जिले में शहर से लेकर गांव तक कृषि भूमि प्लॉटिंग काटकर अवैध कालोनियों का निर्माण दिलेरी से हो रहा है। अवैध प्लॉटिंग का कारोबार लगातार तेज़ी से फैलता जा रहा है, जिससे शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक भू- उपयोग नियमों की खुली धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बिना अनुमति कृषि भूमि को कॉलोनियों में बदलकर और प्राकृतिक नालों को पाटकर प्लॉटिंग किए जाने के मामलों ने आम नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार कटनी-जबलपुर हाईवे स्थित कैलवारा खुर्द में एचपी पेट्रोल पंप के सामने लगभग 4 एकड़ क्षेत्र में नाला पाटकर अवैध प्लॉटिंग की जा रही है। वहीं अहमदनगर के पीछे करीब 14 एकड़ क्षेत्र में कच्ची सड़क बनाकर प्लॉटिंग का कार्य चल रहा है। इसके अलावा माधवनगर नमक गोदाम के पीछे, तिलक कॉलेज रोड पर पेड़ों की कटाई कर, दुबे कॉलोनी, रपटा पेट्रोल पंप क्षेत्र और निमिया मोहल्ला सहित कई स्थानों पर अवैध कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि इन क्षेत्रों में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, रेरा अनुमति और डायवर्शन प्रक्रिया के बिना ही खुलेआम प्लॉट बेचे जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ स्थानों पर वन भूमि पर पेड़ काटकर और नालों को पाटकर भू-माफिया करोड़ों का कारोबार कर रहे हैं, और जिम्मेदार विभागों की मूक सहमति बनी हुई है।

लोगों का कहना है कि अवैध प्लॉटिंग के कारण भविष्य में खरीदारों को सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ सकता है, लेकिन इसके बावजूद कारोबार बेरोकटोक जारी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि शासन द्वारा अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई के दावों के बावजूद कटनी में भू- माफियाओं के हौसले इतने बुलंद कैसे हैं। क्या यह पूरा नेटवर्क किसी संरक्षण में चल रहा है या प्रशासनिक निगरानी कमजोर पड़ गई है?

मामले में कलेक्टर आशीष तिवारी का कहना है कि जिले में कई स्थलों में अवैध प्लॉटिंग का मामला संज्ञान में आया है, जांच कराई जा रही है रिपोर्ट आने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्म पर झूम उठे श्रद्धालु

कटनी (ब्यूरो)। शहर के उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा के दौरान जैसे भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने-नाचने लगे। कथा व्यास मैहर धाम से पधारे मनीष गौतम महाराज ने कहा कि कलयुग में भागवत की कथा सुनने मात्र से हर प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा एक ऐसी कथा है जिसे ग्रहण करने मात्र से ही मन को शांति मिलती है। भागवत कथा सुनने से अहंकार का नाश होता है। भागवत कथा के आयोजन से श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। भगवान श्रीकृष्ण की वेश में नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आ रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन किया। आयोजक सेवानिवृत्त आयुध निर्माणी कर्मचारी सुशील कुमार शुक्ला, श्रीमती आशा शुक्ला ने आरती व पूजा पाठ किया। श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनने कथा स्थल में भारी संख्या में पुरुष और महिला श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज़ी से जारी, अब तक 1.84 करोड़ से अधिक मकानों की गणना पूर्ण

रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण

भोपाल। मध्य प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। प्रदेश में 01 मई 2026 से प्रारंभ हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है।

गृह विभाग की सचिव एवं जनगणना की नोडल अधिकारी शिल्पा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि राज्य में जनगणना कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें प्रगणकों द्वारा व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्रित की जा रही है। उन्होंने बताया कि 12 मई 2026 तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है। रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया संचालित की गई थी। इसमें प्रदेशवासियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवधि में कुल 7 लाख 46 हजार 158 परिवारों द्वारा स्व-गणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई, जिससे जनगणना कार्य को गति एवं व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ।

इस बार जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है। प्रगणकों द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन से जानकारी दर्ज की जा रही है तथा कार्य की निगरानी भी डिजिटल प्रणाली से की जा रही है। इससे कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं गति सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश में जनगणना 2027 को सफल बनाने हेतु जिला प्रशासन, जनगणना अधिकारियों, प्रगणकों एवं आमजन की सक्रिय सहभागिता निरंतर सुनिश्चित की जा रही है।

राज्य शासन ने प्रदेशवासियों से अपील की गई है कि वे जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों को सही एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहयोग प्रदान करें। जनगणना से प्राप्त आँकड़े शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

हादसा हत्या या हिट एन रन, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की स्कॉर्पियो की टक्कर से मौत

दमोह (ब्यूरो)। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी की जोरदार टक्कर से भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई। प्रथम दृष्ट्या एक्सीडेंट का मामला नजर आ रहा यह घटनाक्रम अब स्थानीय लोगों द्वारा दी जा रही जानकारी के आधार पर हिट एंड रन हत्या का मामला नजर आने लगा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर जांच में जुटे हुए हैं इधर टक्कर मारने वाली गाड़ी को नए बस स्टैंड के समीप छोड़कर आरोपियों के भाग जाने की जानकारी भी सामने आई ळें दमोह के तीन गुल्ली तथा सागर नाका पुलिस चौकी के बीच मंगलवार शाम रफ्तार का कहर देखने को मिला। शाम साढ़े चार पांच बजे के बीच सागर रोड पर मडियहार नर्सरी के सामने एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने एक बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी तथा सड़क पर गिर गए बाइक सवार को रौंदते हुए सफेद कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी मौके से भाग गई। घटना के बाद तत्काल मौके पर लोगों की भीड़ लग गई तथा पुलिस को सूचना दी गई एक्सीडेंट के शिकार व्यक्ति की पहचान भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर के रूप में की गई। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की मौत की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारी के अलावा

राजपूत क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए इधर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर जांच कार्रवाई शुरू करने में देर नहीं की। स्थानीय लोगों द्वारा उनकी बाइक को टक्कर मारने के बाद उनके ऊपर स्कॉर्पियो गाड़ी चढ़ा कर आगे पीछे किए जाने जैसी जानकारी भी समाज के लोगों को दी गई वही मौके पर देवेंद्र ठाकुर की बॉडी के आसपास भारी मात्रा में खून पड़े होने जैसे हालात को ध्यान में रखकर हिट एंड रन हत्या की आशंका भी जताई जाने लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया के कट्टर समर्थक रहे हैं वही कोरांसा बरमासा क्षेत्र में जहा कल जल संकट को लेकर चक्का जाम प्रदर्शन किया गया था वहां के निवासी थे। मंगलवार शाम वह अपनी बाइक क्रमांक एमपी 34-5650 से गांव जाने के लिए तीन गुल्ली तरफ से निकले थे तभी संजय निकुंज के सामने पीछे से आ रही सफेद कलर की स्कॉर्पियो कार क्रमांक एमपी 04 एसजे 0999 उनको टक्कर मारते हुए कुचलकर निकल गई। बाद में इस गाड़ी के सागर रोड बाईपास पर निर्माणाधीन बस स्टैंड के पास छोड़कर आरोपियों की भाग जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद एसपी आनंद कलादगी ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया तथा घटना के हर पहलू को लेकर जांच करवाई के निर्देश दिए। इधर एडिशनल एसपी एसएस भदौरिया, सीएसपी एचआर पांडे के निर्देशन में कोतवाली तथा देहात थाना टीआई व पुलिस टीम जांच में जुटी हुई। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व वित्त मंत्री विधायक जयंत मलैया, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, सिद्धार्थ मलैया, पूर्व मंडल अध्यक्ष अखिलेश हजारी सहित अनेक पदाधिकारी, राजपूत क्षत्रिय समाज से राकेश सिंह हजारी, राजकिशोर राशू चौहान सहित बड़ी संख्या में समाज जनों ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिजनों को सांत्वना देते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच करवाई की अपेक्षा की है।

» न्यूज कैप्सूल »

निःशुल्क प्याऊ बना राहगीरों के लिए राहत

दमोह (ब्यूरो)। भीषण गर्मी को देखते हुए नगर की सामाजिक संस्था लीनेस क्लब की सदस्य तनु सुरेखा द्वारा बस स्टैण्ड के पास बाईपास रोड में एक निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था की गई है। इस प्याऊ में राहगीरों एवं आम नागरिकों को ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा ळें प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां रुककर पानी पी रहे हैं और गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तेज धूप और बढ़ते तापमान में इस प्रकार की व्यवस्था मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्याऊ संचालक एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रियंका सुरेखा ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह सेवा शुरू की गई है, जो पूरे गर्मी सीजन तक जारी रहेगी। साथ ही लोगों से पानी बचाने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की गई। अध्यक्ष रजनी खरे ने बताया कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है निरूशुल्क प्याऊ मानव सेवा का सच्चा प्रतीक है डायरेक्टर रोजी बग्गा ने कहा कि जहाँ जल सेवा होती है वहाँ सच्ची मानवता दिखाई देती है एक घूँट पानी कई दुआओं का कारण बनती है पूर्व अध्यक्ष स्मृति खरे ने कहा कि निरू शुल्क प्याऊ समाज में सेवा ओर सद्भाव का संदेश देता है सेवा बही जो जरूरतमंदों के काम आए इस अवसर पर सचिव ज्योति चिले कोषाध्यक्ष माया यादव ज्योति सचदेव रिम्मी जुनेजा राखी चोपड़ा आदि की उपस्थिति रही । कार्यक्रम में क्लब की अन्य सदस्याओं की भी सराहनीय उपस्थिति रही तथा सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफ्ल बनाया। संस्था द्वारा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य निरंतर किए जाने की बात कही गई।

कलेक्टर ने विभिन्न बस्तियों में पहुंचकर किया जनगणना कार्य का निरीक्षण

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में जनगणना की वस्तुस्थिति जानने एवं इस काम में तेजी लाने के लिये कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी रुचिका चौहान मंगलवार को नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के साथ शहर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचीं।

इस दौरान उन्होंने अपनी मौजूदगी में संबंधित प्रगणकों के माध्यम से विभिन्न घरों में पहुँचकर ऑनलाइन जनगणना की जानकारी भरवाई। साथ ही जनगणना का अच्छा काम कर रहे प्रगणकों को शाबाशी देकर प्रोत्साहित किया व इस महत्वपूर्ण काम के प्रति लापरवाह प्रगणक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान स्थानीय निवासियों से भी चर्चा की और जनगणना के महत्व को रेखांकित किया।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने मंगलवार को न्यू सारिका नगर एवं गोविंदपुरी में चल रहे जनगणना कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सारिका नगर स्थित मकान नं. 20 में पहुँचकर यहां की प्रगणक वैभवी पटवर्धन के माध्यम से घर मालिक रामकटोरी धाक? से 34 बिंदुओं की जानकारी पूछकर मकान गणना का काम कराया। प्रगणक वैभवी पटवर्धन को दो दिन पहले ही गणना का काम सौंपा गया है। उन्होंने मात्र दो दिन में अपने क्षेत्र के 150 मकानों में से 100 मकानों की गणना पूरी कर ली है। कलेक्टर ने वैभवी पटवर्धन को इसके लिये शाबाशी देकर प्रोत्साहित किया। साथ ही उनका मुँह मीठा भी कराया।

जीआरपी ने पकड़ी शातिर महिला चोर, माल बरामद

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में कटनी से आ रही लोकल ट्रेन में महिला यात्री के चांदी के कड़े चोरी करने वाली महिला को जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला के कब्जे से चोरी गए दोनों चांदी के कड़े बरामद कर लिए गए हैं। जीआरपी प्रभारी संजीवनी राजपूत ने मंगलवार को बताया कि ग्राम बंधी थाना स्लीमनाबाद जिला कटनी निवासी खुशबू चक्रवर्ती ट्रेन नंबर 61618 के जनरल कोच में स्लीमनाबाद से जबलपुर की यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान ट्रेन छूटने के कुछ देर बाद उन्होंने देखा कि उनके हाथ में पहने हुए चांदी के दो कड़े गायब हैं। फरियादिया को शक था कि ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ में धक्का-मुक्की कर रही काले रंग का सलवार सूट पहने महिला ने ही कड़े चोरी किए हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम गठित कर आरोपी की तलाश की गई। मंगलवार को रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफार्म नंबर 1 के इटारसी छोर पर आवेदक द्वारा बताए गए हुलिए की महिला दिखाई दी।

पथरिया पुलिस का कारनामा, तीन पेटी अवैध शराब जब्त, मामला दर्ज किया 22 पाव का

दमोह (ब्यूरो)। वैसे तो पथरिया पुलिस अपने कारनामों की वजह से हमेशा सुर्खियों में बनी रहती है और इनके कारनामे और शराब माफ्यिाओं से मिली भगत की चर्चाएं आए दिन सुनने में मिलती रहती हैं, समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा कार्यवाही भी देखने को मिलती है अभी हाल ही में पूर्व थाना प्रभारी अमित मिश्रा को शराब परिवहन में नियंत्रण न करना एवं कर्तव्य निर्वहन संदिग्ध आचरण प्रदर्शित करने का कारण बताते हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने उन्हें लाइन हाजिर किया था, जिसके बाद से उपनिरीक्षक श्याम सुंदर दुबे प्रभारी थाना प्रभारी की कमान संभाले हुए हैं। जिसके बाद अब एक और नया करना पथरिया पुलिस का देखने को मिला जहां 10 मई रविवार सुबह करीब 8 बजे के आसपास पथरिया थाना अंतर्गत ग्राम लखरोनी में दो बाइकों की भिडंत हुई जिसमें दोनों पक्ष घायल हुए अस्पताल में भर्ती हुए और इलाज भी हुआ। बता दें कि पथरिया के ग्राम लखरोनी निवासी भैयालाल पटैल जब अपनी बाइक से जा रहा था तो उसकी बाइक को दमोह रोड स्थित शराब दुकान से अवैध शराब का परिवहन कर

रहे सोनू सेन एवं सोनू पटैल दोनों पथरिया निवासी जो अपनी बाइक पर करीब दो से तीन पेटी अवैध शराब लेकर कहीं जा रहे थे और तेज गति से चला रहे थे टक्कर मार दी, एक्सीडेंट के बाद जब ग्रामीण एकट्ठे हुए तो देखा तीनों व्यक्तियों को चोटें थीं और अवैध शराब बिखरी हुई पडी थी, पुलिस को सूचना दी गई 112 मौके पर पहुंची। लेकिन पथरिया पुलिस द्वारा दो से तीन पेटी की जगह सिर्फ 22 पाव अवैध शराब का मामला सिर्फ एक व्यक्ति पर बनाया गया, करीब डेढ दो पेटी अवैध शराब गायब दूसरा आरोपी गायब मोटरसाइकिल गायब और एक्सीडेंट का मामला भी गायब। इस संबंध में जब हमने प्रभारी थाना प्रभारी श्याम सुंदर दुबे से बात की तो उन्होंने बताया कि मौके से 22 पाव अवैध शराब ही पकड़ी गई थी और दोनों की आपसी सहमति के चलते एक्सीडेंट का मामला नहीं बनाया गया, लेकिन वह व्यक्ति अवैध शराब लिए हुए था इसलिए 22 पाव शराब का मामला बनाया गया है मोटरसाइकिल वह लेकर भाग गए थे इसलिए वह जब्त नहीं हुई शराब का मामला एक व्यक्ति के ऊपर बनाया गया है। मामले में प्रिया सिंघी एसडीओपी पथरिया का कहना है कि उक्त मामले की जांच की जांच की जा रही है रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

विधायक जयंत मलैया की मौजूदगी में रिलीज हुआ जीतेंगे-जीतेंगे स्वच्छता थीम सॉन्ग

दमोह (ब्यूरो)। शहर में स्वच्छता जागरूकता को नई पहचान देने के उद्देश्य से तैयार किया गया स्वच्छता थीम सॉन्ग जीतेंगे-जीतेंगे भव्य समारोह के बीच रिलीज किया गया। पीजी कॉलेज सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में दमोह विधायक जयंत मलैया विशेष रूप से शामिल हुए। उनके साथ नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र सिंह लोधी नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि विक्रम सिंह ठाकुर, जितेंद्र पटेल, पार्षद कविता राय, पार्षद प्रतिनिधि पप्पू कसौटिया,शिक्षक नन्हे सिंह ठाकुर, जन अभियान परिषद के जिला समन्व्यक सुशील नामदेव, नगर पालिका परिषद के पार्षद जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं गणमान्य नागरिकों के साथ टीम उम्मीद के सभी साथी एवं मातृशक्ति टीम उम्मीद व नपा कर्मियो की उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान पूरा सभागार दर्शकों से खचाखच भरा नजर आया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद दमोह के सहयोग से किया गया। समारोह में स्वच्छता संवाद, गीत प्रदर्शन एवं नागरिक जागरूकता से जुड़े कई प्रेरणादायक संदेश प्रस्तुत किए गए। विधायक जयंत मलैया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि 卐जीतेंगे-जीतेंगे卐 जैसे प्रेरणादायक गीत समाज में सकारात्मक सोच और जागरूकता पैदा करने का कार्य करेंगे, इस अवसर पर फ्लिम के निर्देशक बॉलीवुड सिनेमैटोग्राफ्र हरीश पटेल को पुनः दमोह नगर पालिका का स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया। कार्यक्रम में उनके पिछले वर्ष के कार्यकाल में किये गए स्वच्छता अभियान से जुड़े कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया। गीत रिलीज़ के साथ स्क्रीन पर गीत चलते ही गीत की सिनेमाई प्रस्तुति, स्वच्छता संदेश और युवाओं की भागीदारी ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध दमोह बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार में हथगोला, चाकू लेकर घूम रहे दो आरोपी गिरफ्तार

दमोह। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ्चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने महाराणा प्रताप स्कूल के पास खड़ी दो कारों से हथगोला और चाकू के साथ दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया है। एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदोरिया व सीएसपी एचआर पांडे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर 12 मई को महाराणा प्रताप स्कूल के पास से स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 34 सीए 6013 व सिल्वर रंग की बलेनो कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ2735 को पकड़ा गया। वही आरोपी साहिल कुरैशी एवं समीम कुरैशी दोनों निवासी बजरिया वार्ड-07 दमोह के पास से हथगोला और चाकू बरामद किया गया। पुलिस आरोपियों के खिलाफ्मामला दर्ज करके गिरफ्तार करते हुए पूछताछ कर विवेचना शुरू कर दी है।

सागर लोकायुक्त ने पंचायत सचिव एवं चपरासी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

दमोह (ब्यूरो)। सागर लोकायुक्त की टीम ने मई माह में दूसरी बार दमोह जिले में पहुंचकर रिश्वत मामले में रंगे हाथों पकड़ने के बाद में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत कार्यवाही की है। इस बार लोकायुक्त के चुंगल में पंचायत सचिव एवं चपरासी फंसा है। इनके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना तहत हितग्राही को किस्त जारी करने के बदले में 6 हजार रुपए की रिश्वत ली जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को दमोह जिले के तेजगढ़ पहुंची सागर लोकायुक्त की टीम ने तेजगढ़ ग्राम पंचायत के

सचिव जुगराज लोधी एवं ग्राम पंचायत के चपरासी गुड्डा रैकवार को 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ने के बाद में कार्यवाही की है। दरअसल पंचायत सचिव के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त जारी करने के लिए रिश्वत मांगी जा रही थी। जिसकी शिकायत एक हितग्राही महेंद्र कोष्ठी ने सागर लोकायुक्त एसपी से की थी। जिसकी पुष्टि करने के बाद आज निरीक्षक मंजू किरण तिर्की एवं निरीक्षक रंजीत सिंह के साथ लोकायुक्त टीम के द्वारा तेजगढ़ पहुंचकर ट्रैप कार्यवाही की गई। आवेदक महेंद्र कोष्ठी ने बताया कि पत्नी उषा कोष्ठी के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ है जिसकी दूसरी किश्त डालने और जिओ टेंगिंग करने के एवज में 10000 रिश्वत की मांग पंचायत सचिव द्वारा की जा रही थी, आवेदक के द्वारा लोकायुक्त कार्यालय सागर उपस्थित होकर पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष आवेदन पत्र दिया गया आवेदन पत्र का सत्यापन किया गया सत्यापन के दौरान अनावेदक सचिव ने 4 हजार रुपए रिश्वत राशि प्राप्त की गई शिकायत सत्यापन उपरांत सोमवार को अनावेदक पक्ष को लोकायुक्त दल द्वारा 6000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों लोकायुक्त पुलिस द्वारा पकड़ा गया अग्रिम कार्यवाही जारी है। उल्लेखनीय की लोकायुक्त सागर की हाल ही में दूसरी करवाई है महज एक सप्ताह पूर्व लोकायुक्त द्वारा शिक्षा विभाग के एक बाबू पर भी 80000 की रिश्वत लेते शिकंजा कसा गया था।

नरसिंहगढ़ का ऐतिहासिक 245 वाँ उर्स मुबारक 13,14,15 मई को

दमोह (ब्यूरो)। नरसिंहगढ़ में हज़रत सैयद बाबा तैयब अली शाह साहब का 245 वाँ कौमी एकता का प्रतीक उर्स मुबारक हर साल की तरह इस साल भी बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया जाएगा। नरसिंहगढ़ उर्स कमेटी के सचिव आसिफ़ अंजुम ने जानकारी देते हुए बताया की उर्से पाक में देश प्रदेश से हर वर्ग हर समाज के हज़ारों अक़ीदत मन्दों के साथ जन प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारीगण शामिल होंगे। उर्स का आगाज़ शाही सन्दल व चादर से 13 मई बुधवार को नया बाजार दमोह में शाम 7 बजे चादर शरीफ की ज़ियारत होगी ज़ियारत के बाद के बाद रात 11 बजे नरसिंहगढ़ में दरगाह शरीफ पर गुस्ल परम्परा के बाद सन्दल व चादर शरीफ पेश की जाएगी। दिनांक 14 मई 2026 जुमेरात को बाद नमाज़ ईशा रात 9 बजे से ज़िक्रे हल्का शरीफ के बाद मीलाद शरीफ में मौलाना तहसीन रज़ा मौलाना बाबर रज़ा हाफ़िज़ खलील रज़ा, गुलाम गौस रज़ा के अलावा मुकामी उल्मा व शौरा हज़रात तकरीर व कलाम पेश करेंगे इसके बाद महफ्लि सिमा होगी जिसमें शावेज शाफेज साबरी, कब्बाल शरीफ लखनऊ उत्तर प्रदेश अपने कलाम पेश करेंगे। 15 मई 2026 जुमा को रात 9 बजे से महफ्लि कब्बाली का शानदार आयोजन होगा जिसमें जुनैद सुल्तानी कब्बाल बदायूँ उत्तरप्रदेश व शब्बीर सदाकत साबरी कब्बाल कपासन शरीफ राजस्तान अपने कलाम पेश करेंगे। नरसिंहगढ़ उर्स कमेटी के अध्यक्ष दाऊद सौदागर सभापति, सचिव आसिफ़ अंजुम, राजू ठेकेदार, नादिर खान ठेकेदार, बद्दू भाई, हाजी बशीम सेठ, ज़ेद सौदागर, गुड्डू मिस्त्री, रब्बू खान, शमीम टायर, अब्बू खान, राजू खान, नफीस बाबा, गुलाम गौस, फ्रहान खान, कलीम ठेकेदार, सद्दाम खान रिज़वान राइन, असलम स्टील व अहले बाज़ार मुहल्ला ने सभी अक़ीदत मन्द हज़रात से उर्से पाक के सभी प्रोग्रामों में शिरकत की अपील की है।

जनजातीय विभाग के अंशकालिन कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, वेतन भुगतान को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दमोह (ब्यूरो)। जनजातीय विभाग में कार्यरत अंशकालिन कर्मचारियों का लंबे समय से लंबित वेतन भुगतान को लेकर आक्रोश सामने आया है। मंगलवार को मध्य प्रदेश स्थाई कर्मी कल्याण संघ, जिला दमोह के अध्यक्ष बबलू ठाकुर उर्फ संतोष सिंह के नेतृत्व में कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर नारायण प्रताप यादव को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र वेतन भुगतान की मांग की। कर्मचारियों ने बताया कि पिछले 10 से 11 महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व में भी कई बार संबंधित

अधिकारियों को आवेदन एवं ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन प्राप्त होने के बाद कलेक्टर नारायण प्रताप यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भोपाल स्तर के अधिकारियों से फोन पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने संघ पदाधिकारियों को 5 दिनों के भीतर उचित कार्रवाई एवं समाधान का आश्वासन दिया। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। इस दौरान मध्यप्रदेश स्थाई कर्मी कल्याण संघ जिला शाखा दमोह के पदाधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

देवास जिले की ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने पेश की जल संरक्षण की मिसाल

भोपाल। देवास जिले में संचालित ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी में जनभागीदारी से पंचायत क्षेत्र की पहाड़ी पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य किया गया है। लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्र में किए जा रहे इस कार्य के तहत कुल 350 कंटूर ट्रेंच बनाई गई हैं। इन ट्रेंचों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख लीटर वर्षा जल का संचयन किया जा सकेगा।

पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं शासकीय योजनाएं

भोपाल। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसूति सहायता 16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा लाभ (आयुष्मान भारत) शामिल है।

इसके अतिरिक्त श्रमिकों के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए %विदेश अध्ययन योजना% के तहत 40 हार डॉलर तक की सहायता प्रदान की जाती है।

मध्यप्रदेश देश के नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब के रूप में हो रहा स्थापित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश बनेगा देश की डिजिटल और तकनीकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख ग्रोथ इंजन

भावी तकनीकी नीतियों से विकास को मिल रही नई गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उभरते आईटी राज्य से आगे बढ़ते हुए नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश निश्चित ही आने वाले समय में देश की डिजिटल और तकनीकी अर्थव्यवस्था के प्रमुख ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य करेगा।राज्य सरकार द्वारा जीसीसी, एआई, सेमीकंडक्टर, ड्रोन, स्पेसटेक तथा एवीजीसी-एक्सआर जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में लागू की गई नीतियां प्रदेश को देश की नई तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित कर रही हैं। इन नीतियों से प्रदेश में वैश्विक निवेश को प्रोत्साहन मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार, नवाचार एवं कौशल विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तकनीक, नवाचार और कौशल आधारित विकास मॉडल की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी-2025 लागू की है। इस नीति से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, एनालिटिक्स और साझा सेवाओं के केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत सब्सिडी, भूमि रियायत, किराया सहायता और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए वेतन अनुदान जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में विकसित हो रहा आधुनिक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बना रहा है। इंदौर सुपर कॉरिडोर में विकसित हो रहे विश्वस्तरीय आईटी पार्क हजारों रोजगार अवसर सृजित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 के माध्यम से चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और डिजाइन आधारित स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीति में पूंजीगत निवेश सहायता, भूमि रियायत, स्टॉम्प शुल्क प्रतिपूर्ति और विद्युत शुल्क में छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के प्रावधान शामिल किये गये हैं। अनुसंधान आधारित कंपनियों और डिजाइन स्टार्ट-अप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

भोपाल और ग्वालियर में पीसीबी मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना के लिए हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इस क्षेत्र में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों में वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआई) चिप डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शुरू कर रही है जिससे भविष्य के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा की। बैठक में डॉक्टरों की पदोन्नति, मेडिकल ऑफिसर्स की काउंसलिंग प्रक्रिया, टीबी मुक्त भारत अभियान और सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर अप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री

शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए डॉक्टरों की पदोन्नति के लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार करें।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है योग: मंत्री परमार

घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग अभियान के अंतर्गत प्रदेशव्यापी योग प्रशिक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, राज्य सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाने के

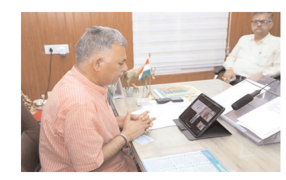

लिए निरंतर कार्य कर रही है। 卐घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग卐 अभियान का उद्देश्य, योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना तथा स्वस्थ एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुष विभाग द्वारा घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रदेशव्यापी योग प्रशिक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का वर्चुअली शुभारंभ कर कही।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोन: 9131883521, ई-मेल: janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**